RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 इश्क फरमाएंगी जन्हवी कपूर...

वर्ष : 26 अंक : 51 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 11 फरवरी, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

कांग्रेस पाप के दलदल में फंसी है, इसका सफाया तय : मोदी

झाबुआ में 7500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

झाबुआ (मध्य प्रदेश) (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस पाप के दलदल में फंसी है। पार्टी में जो थोड़े-बहुत नेता बचे हैं, उनमें से कोई जिम्मेदारी नहीं उठाना चाहता है। सुना है कि मध्यप्रदेश कांग्रेस में इन दिनों भगदड़ मची हुई है। कांग्रेस अपने पापों के दलदल में फंस चुकी है, वो जितना निकलने की कोशिश करेगी, उतना और धंसेगी। मोदी ने कहा- कांग्रेस और उसके दोस्तों की दो ही ताकत हैं, एक जब कांग्रेस सत्ता में रहती है तो यह लूटने का काम करती है और जब सत्ता के बाहर होती है तो लड़ाने का काम करती है। लूट और फूट कांग्रेस की ऑक्सीजन है।

प्रधानमंत्री मोदी आज झाबुआ में 7500 करोड़ रूपये की परियोजनाओं के उदघाटन व शिलान्यास करने के बाद जनता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज हमारे लिए वोटबैंक नहीं है, यह देश का गौरव है। आपके बच्चों के सपने मोदी का संकल्प है और आपका सम्मान और विकास मोदी की गारंटी है। मोदी ने- जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब गांव-गांव

डिग्री तापमान में मैं झाबुआ के बगल में दाहोद के जंगल में छोटे गांवों में जाकर मेंजाकर कहता था कि मुझे भिक्षा में वचन दो कि आप अपनी बेटी को पढ़ाओगे। 40-45 बेटियों की अंगुली पकड़कर स्कूल ले जाने का काम करता था।

सभा के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी समाज के लोगों का कभी विकास नहीं किया। कांग्रेस का सिर्फ एक ही काम है- नफरत, नफरत और नफरत। 2023 में कांग्रेस की छुट्टी हुई है अब 2024 में इसका सफाया तय है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार अकेला कमल का निशान 370 पार करेगा। यह लाओगे कैसे? मैं आपको एक जड़ी बूटी देता हूं। पिछले तीन चुनाव में अपने-अपने पोलिंग बूथ का हिसाब निकालो और इस बार पिछली बार से 370 वोट ज्यादा लाओ। यानी, इस बार हर पोलिंग बूथ पर 370 नए वोट जुटने चाहिए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

घटिया निर्माण की कहानी बयां कर रहा पर्थला ब्रिज

जगह-जगह उखड़ रही है सड़क, वाहन चालकों में रोष

नोएडा (चेतना मंच)। 85 करोड़ रुपये की लागत से बना पर्थला का सिग्नेचर ब्रिज खुलेआम

भ्रष्टाचार व निर्माण में घटिया गुणवत्ता की कहानी बयां कर रहा है। इस पुल को चालू हुए अभी महज कुछ ही माह बीते हैं। यहां की सड़क जगह-जगह से उखड़ने लगी है।

मालूम हो कि लगभग 85 करोड़ रुपये की लागत से बना पर्थला ब्रिज 225 दिन भी ठीक से नहीं चल पाया है। हालत यह है कि जगह-जगह इसकी सड़क उखड़ गई है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले भी एक बार सड़क धंसने का मामला सामने आ चुका है, हालांकि बाद में प्राधिकरण ने इसको ठीक करवाया। पिछले साल 25 जून को सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्थला ब्रिज का उद्घाटन कर शुरुआत किया था। इस ब्रिज से हर दिन लगभग 1.5 लाख वाहन आते जाते हैं, लेकिन सड़क के उखड़ने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। ब्रिज 697 मीटर लंबा और छह लेन का है। ब्रिज के दोनों ओर 210 मीटर के रैंप भी बनाए गए हैं।

क्या कहते हैं डीजीएम

नोएडा प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक सिविल विजय रावल ने बताया कि सर्दी का मौसम होने की वजह से रिसर्फेसिंग का काम नहीं हुआ है। जैसे ही तापमान बढ़ेगा वैसे ही इसकी मरम्मत कराई जाएगी। यह रुटीन कार्य है। जहां यह सड़क उखड़ी है, वहां कुछ माह पहले पैचवर्क कराया गया था। जल्द से जल्द काम कराने की कोशिश की जाएगी।

प्राधिकरण के सिविल विभाग की तरफ से कुछ महीने पहले धंसी हुई सड़क की मरम्मत कराई गई थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

वैभव सिंघल का शव बरामद

बिलासपुर (एजेंसी)। 30 जनवरी से लापता बिलासपुर के व्यापारी अरूण सिंघल के पुत्र

वैभव सिंघल का शव आज सुबह नहर में मिल गया है। आरंभिक जानकारी के अनुसार शव (चचूरा) गाँव की नहर मे मिला है। बिलासपुर में रहने वाला वैभव सिंघल 30 तारीख को लापता हो गया था ।

परिवार के अनुसार वह शाम को अपने दोस्तों के साथ मिलने गया था जिसके बाद को लापता हो गया परिवार जिन्होंने उसके दो मुस्लिम दोस्तों पर शक जताया था जिन्हें पुलिस ने भारी दबाव के बाद गिरफ्तार कियाड्ड गिरफ्तारी के बाद कोई कार्यवाही न होने से नाराज परिवार ने 5 दिन से आंदोलन शुरू किया हुआ था इस हत्याकांड के विरोध में आसपास के सभी बाजार पूर्णतया बंद थे जिसके बाद पुलिस पर लगातार दबाव बढ़ रहा था।। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नालों में सीवेज पानी डाला तो खैर नहीं!

सीईओ ने सोसायटीज व अफसरों को दी सख्त चेतावनी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने अधिकारियों के साथ अंडरपास , नाला और सड़कों का अचानक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में सिविल विभाग के उप महाप्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधक मौजूद रहे। सीईओ ने सेक्टर-37 अंडरपास , सेक्टर-40, 41 के मार्ग और सेक्टर-100 का निरीक्षण किया। यहां ड्रेन में कई सोसाइटी की ओर से बिना शोधित किए ही पानी नाले में डाला जा रहा था। इन सभी नोटिस जारी करने के लिए कहा गया है।

निरीक्षण में पाया कि सेक्टर-37 अंडरपास का टाइल्स कई स्थानों पर उखड़ी थी। उन्हीं स्थानों पर सेम कलर की टाइल्स लगाने के लिए कहा गया। सेंट्रल वर्ज के साा एसीपी शीट चोरी पाई गई। जिसके स्थाना पर नई शीट लगाने के लिए कहा गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सुनील को शहीद का दर्जा दिया जाए

बार एसोसिएशन ने डीएम से की मांग, हत्या का केस दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित खेड़ी भनौता गांव के रहने वाले सेना के जवान सुनील कुमार की मौत के मामले में पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर हत्या की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इल मामले की एफआईआर में केरल में तैनात सेना के अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं।

बता दें कि मृतक सेना के जवान सुनील के परिजन इस मामले में तीन दिन से आरोप लगा रहे थे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश भाटी के हस्तक्षेप के बाद अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया है। उमेश ने मामले में डीएम सहित अन्य उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर पीड़ति परिवार पर बीत रही आपबीती के बारे में बताया।

परिजनों के द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक सूरजपुर इलाके के खेड़ी भनौता गांव के सुरेंद्र कुमार का कहना है कि उनके भाई सुनील भारतीय सेना में हवलदार क्लर्क के पद पर तैनात थे। उनकी तैनाती केरल के कन्नूर में थी। 6 फरवरी की सुबह सुनील के परिजनों के पास फोन आया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-63 स्थित चोटपुर कालोनी के अतर सिंह कालोनी के साधना निवृत्ति स्कूल में सांसद निधि से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास करते सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा एवं नोएडा के विधायक पंकज सिंह। इस मौके पर भाजपा की जिला महामंत्री डिम्पल आनंद, चंदगीराम यादव, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

पुराने समय के मुताबिक खुलेंगे सभी स्कूल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित पूरे गौतमबुद्ध नगर जिले के पेरेंट्स के लिए बड़ी और जरूरी खबर है। आपको बता दें कि गौतमबुद्ध नगर जिले में मौसम बदलने के साथ ही स्कूलों की टाइमिंग में एक बार फिर से फिर बदलाव किया गया है। अब नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित पूरे गौतमबुद्ध नगर जिले में सभी स्कूल पुराने समय के अनुसार ही खुलेंगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

'शक्ति वंदन अभियान' के तहत बैठक आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा ज़िला कार्यालय सेक्टर-116 में 'शक्ति वंदन अभियान' के तहत कई एनजीओ और समाजिक संगठन की बैठक आयोजित की गई जहां पर सभी महिलाएँ और बहनों के साथ चाय पर चर्चा का भी आयोजन किया गया। शक्ति वंदन अभियान के तहत एक ओर जहां महिलाओं को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी साथ ही आत्मनिर्भर महिलाओं का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता मुख्य वक्ता रहे। श्री गुप्ता ने महिलाओं को संबोधित करते कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में महिला सशक्तिकरण दिशा में अनेक काम किए हैं। देश में नई संसद बनने के बाद उसमें जो पहला कानून आया वह नारी शक्ति वंदन का था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

जनहित में 16 को चक्काजाम न करें भाकियू : एनपी सिंह

डीडीआरडब्ल्यूए ने लिखा राकेश टिकैत को पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। डीडीआरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ठाकुर एनपी सिंह ने भातीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को पत्र लिखकर 16 जनवरी को चक्का जाम न करने का अनुरोध किया है। लिखे पत्र में एनपी सिंह ने कहा है कि चक्का जाम से आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव चौहान ने भी 16 को चक्का जाम न करने की बात कही है।

पत्र में उन्होंने लिखा है कि आपकी लड़ाई उत्तर प्रदेश सरकार या भारत सरकार से हो सकती हैं नोएडा की जनता से आपकी कोई दुश्मनी नहीं है। जनता को परेशानी में डालना उचित नहीं है। आपके चक्का जाम से क्षेत्र की जनता, अस्पताल, स्कूल, ऑफिस व फ़ैक्टरी जाने में असुविधा होगी। आप इस मामले में मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री से बात कर समस्याओं का समाधान करवाने की कृपा करें।

इसके पूर्व 7 फरवरी को किसानों के दिल्ली कूच के दौरान नोएडा शहर सात-आठ घंटे जाम रहा जिसकी वजह से स्कूली बच्चों मरीजों तथा ऑफिस आने-जाने वालों को कई-कई घंटे जाम से जूझना पड़ा था। तब भी एनपी सिंह ने इसके खिलाफ आवाज उठाई थी।

आईएसीसी का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन का स्वर्ण जयन्ती समारोह का आयोजन 9 से 11 फरवरी 2024 तक श्री अरविंदो विष्वविद्यालय, इंदौर में आयोजित किया गया।

इसका उद्घाटन केरल के माननीय राज्यपाल थावर चंद गहलोत के द्वारा किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 700 लोगों ने भाग लिया और अपने शोधकार्यों को प्रस्तुत किया। सम्मेलन में विभिन्न वैज्ञानिकों, शिक्षाविद्ओं, मनोवैज्ञानिक चिकित्सकों, डॉक्टरों एवं शोधार्थी छात्रों ने भाग लिया।

उक्त सम्मेलन में गौतम बुद्ध विष्वविद्यालय के मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर आनंद प्रताप सिंह को वर्ष 2024 के लिये इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के द्वारा साइको ऑरेशन अवार्ड9 2024 से सम्मानित किया गया। डॉक्टर सिंह को पिछले वर्ष दिल्ली में संपन्न हुये चिकत्सा मनोविज्ञान के वार्षिक सम्मेलन में अवॉर्ड कमेटी के सदस्यों के द्वारा इस अवॉर्ड के लिए चुना गया था। डॉक्टर सिंह को ये अवार्ड चिकित्सा मनोवैज्ञान के क्षेत्र में किये गये अभूतपूर्व योगदान के लिये दिया गया है।

जीबीयू के डॉ. आनन्द प्रताप सिंह को मिला साइको ओरेशन अवॉर्ड-2024

ज्ञात हो कि डॉक्टर सिंह चिकित्सा मनोवैज्ञान के क्षेत्र में विगत 20 वर्षों से अपना योगदान दे रहे हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

आम सभा में निवासियों को विकास कार्यों से अवगत कराया

नोएडा (चेतना मंच)। बी-3 अरावली अपार्टमेंट सेक्टर-34 में रविवार को आम सभा आयोजित की गई *आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि सोसाइटी निवासियों को आम सभा में विकास कार्यों मुख्य रूप से मुख्य द्वार पर सन सैड, बायोमैट्रिक एंट्री गेट,चिल्ड्रन बस स्टॉप, सोसायटी के अंदर ओपन जिम, सोसाइटी को सीसीटीवी कैमरों से लैस करना, बैडमिंटन कोर्ट,फ्लैट नम्बर प्लैट,हाई मास्क लाइट,स्ट्रीट लाइट, बच्चों के झूले नोएडा में सर्वप्रथम एंटी लार्वा दवाई छिड़काव मशीन, स्वास्थ्य जांच कैंप्स, दिशा सूचक बोर्ड, फैसिलिटी बोर्ड, सोसाइटी मानचित्र बोर्ड, ब्लड ग्रुप डेटा बैंक, फायर उपकरण, बायो टॉयलेट,मुख्य द्वार की सजावट, मदर्स डे कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम नालियों की रिपेयरिंग एवं कवर करना, माता की चौकी, गोवर्धन पूजा छठ पूजा,होली मिलन,करवा चौथ गणेश चतुर्थी पूजा, बिजली के पैनल बॉक्स को बदलना सफाई एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान आदि विकास कार्यों से अवगत कराया,*

निवासियों को आगामी कार्य योजना पार्किंग स्पॉट बनवाना, बच्चों के प्लास्टिक झूले,वाहन स्टीकर जारी करना, कॉमन एरिया को डेवलप करना आदि निवासियों के सामने रखें निवासियों द्वारा ध्वनिमत से सारे प्रस्ताव पारित किए गये इस दौरान मुख्य रूप से आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा महासचिव प्रदीप सिंह उपाध्यक्ष पदमा नायडू कोषाध्यक्ष आर पी प्रजापति सह कोषाध्यक्ष आर पी वर्मा संयुक्त सचिव अजय श्रीवास्तव सविता केदार कुलदीप सिंह,अजय रस्तोगी आर पी सिंह,रणधीर कुमार, ज्योत्सनामयी आचार्य ,सुरेश बन्ने अमित रस्तोगी आदि सहित सैक ?ों निवासीगण उपस्थित रहे।

सरकार की प्रतिबद्धता

श्वेत-पत्र का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन यह देश की आजादी के बाद से संसदीय परंपरा जरूर रहा है। श्वेत-पत्र किसी भी सरकार की प्रतिबद्धता का आईना होता है। उसमें सरकार की सोच, नीतियों और जन-कल्याण की योजनाओं का चेहरा झलकता रहता है। मोदी सरकार ने अपने 10-साला कार्यकाल पर श्वेत-पत्र लोकसभा में पेश किया है, तो यह उसका नैतिक और प्रशासनिक दायित्व था, लेकिन 2004-14 की कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के 15 बड़े घोटालों का खुलासा करने का आज औचित्य क्या है? तब आर्थिक अराजकता, 14 फीसदी तक की मुद्रास्फीति की दर, राजकोषीय और चालू खाते के बढ़ते घाटे, राजस्व के दुरुपयोग, लडखड़ाते औद्योगिक विकास, सरकारी दफ्तरों के खिलाफ राष्ट्रीय गुस्सा, बैंकिंग संकट, नीतिगत अपंगता आदि की स्थितियां थीं, तो मई, 2014 में भाजपा-एनडीए और नरेंद्र मोदी को जनादेश हासिल हुआ। देश में उनकी सरकार बनी। उस जनादेश के बाद यूपीए का कालखंड अप्रासंगिक हो गया। दोनों कालखंडों की 2024 में तुलना करना बेमानी है। स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं, लिहाजा पुराने हालात पर रोना महज प्रलाप है। बेशक यह राजनीति जरूर हो सकती है, क्योंकि 2024 के आम चुनाव सिर्फ 100 दिन दूर हैं। कांग्रेस के 'ब्लैक पेपर' के पीछे भी मंशा चुनावी रही है। फिर भी सत्ता की कारगुजारियों को बेनकाब करना विपक्ष का लोकतांत्रिक धर्म है। विपक्ष ने बेरोजगारी, कमरतोड़ महंगाई, देश पर 200 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज, अर्थव्यवस्था के छिद्र, विकास दर के यथार्थ, महिला और किसान उत्पीडऩ सरीखे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरा है और मौजूदा कार्यकाल को 'अन्याय काल' करार दिया है। इन मुद्दों में कोई नयापन नहीं है। देश इन्हें झेलता आ रहा है। कांग्रेस के प्रवक्ता भी इन मुद्दों को रोजमर्रा की राजनीति में उठाते रहे हैं। साफ है कि इस बार लोकसभा चुनाव में विपक्ष भी काफी आक्रामक रहेगा। बेशक वह चुनावी रुझानों और सर्वेक्षणों को गौर से देख-पढ़ रहा है। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने 2019-20 में 100 साल की भयावह कोरोना महामारी का दौर झेला था, लेकिन देश की हरसंभव मदद की थी। उस दौरान अर्थव्यवस्था और विकास-दर ऋणात्मक हो गई थी। उसका गहरा प्रभाव रोजगार, औद्योगिक उत्पादन और आम आदमी पर पड़ा, लिहाजा विपक्ष के 45 साल की सबसे अधिक बेरोजगारी के आरोप 'अर्द्धसत्य' हैं। बेशक बेरोजगारी आज भी देश की सबसे गंभीर समस्या है, लेकिन विडंबना है कि चुनाव इस समस्या पर नहीं लड़ा जाएगा। श्वेत-पत्र एक प्रामाणिक दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज आंकड़े देश की सही तस्वीर बयां करते हैं, लिहाजा विपक्ष गाहे-बगाहे मांग करता रहा है कि सरकार संसद में श्वेत-पत्र पेश करे। कश्मीर विवाद, प्रिवी पर्स और फरवरी, 1993 में अयोध्या पर श्वेत-पत्र पेश किए जा चुके हैं। भाजपा ने भी अयोध्या पर उसी दौर में श्वेत-पत्र जारी किया था, जिसमें उसने नरसिंह राव सरकार की नीतियों पर सवाल किए थे। किसी भी राजनीतिक दल द्वारा श्वेत-पत्र जारी करने का वह प्रथम मामला था। बहरहाल हम पाठकों को लेखा-जोखा के आंकड़ों के मकडज़ाल में फंसाना नहीं चाहते। उनसे संदर्भगत विश्लेषण करना कठिन और पेचीदा होता है, लेकिन इतना जरूर बताना चाहेंगे कि देश की स्थिति बहुत सुधरी है। बहरहाल यदि 5वीं वैश्विक अर्थव्यवस्था होने के बावजूद देश के 70 फीसदी लोग स्वस्थ भोजन की व्यवस्था करने में लाचार हैं या 55 फीसदी महिलाओं में आज भी खून की कमी है अथवा 25 साल की उम्र तक के 42 फीसदी से अधिक युवा बेरोजगार हैं, तो ऐसी अर्थव्यवस्था और विकास बेमानी हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मैं एक-एक ब्रह्माण्ड में एक-एक सौ वर्ष तक रहता। इस प्रकार मैं अनेकों ब्रह्माण्ड देखता फिरा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

लोक लोक प्रति भिन्न बिधाता। भिन्न बिष्नु सिव मनु दिसित्राता॥
नर गंधर्ब भूत बेताला। किंनर निसिचर पसु खग ब्याला॥
प्रत्येक लोक में भिन्न-भिन्न ब्रह्मा, भिन्न-भिन्न विष्णु, शिव, मनु, दिक्पाल, मनुष्य, गंधर्व, भूत, वैताल, किन्नर, राक्षस, पशु, पक्षी, सर्प, ॥
देव दनुज गन नाना जाती। सकल जीव तहँ आनहि भाँती॥
महि सरि सागर सर गिरि नाना। सब प्रपंच तहँ आनइ आना॥
तथा नाना जाति के देवता एवं दैत्यगण थे। सभी जीव वहाँ दूसरे ही प्रकार के थे। अनेक पृथ्वी, नदी, समुद्र, तालाब, पर्वत तथा सब सृष्टि वहाँ दूसरे ही दूसरी प्रकार की थी॥
अंडकोस प्रति प्रति निज रूपा। दाखेउँ जिनस अनेक अनूपा॥
अवधपुरी प्रति भुवन निनारी। सरजू भिन्न भिन्न नर नारी॥
प्रत्येक ब्रह्माण्ड में मैंने अपना रूप देखा तथा अनेकों अनुपम वस्तुएँ देखीं। प्रत्येक भुवन में न्यारी ही अवधपुरी, भिन्न ही सरयूजी और भिन्न प्रकार के ही नर-नारी थे॥
दसरथ कौसल्या सुनु ताता। बिबिध रूप भरतादिक भ्राता॥
प्रति ब्रह्मांड राम अवतारा। देखउँ बालबिनोद अपारा॥
हे तात! सुनिए, दशरथजी, कौसल्याजी और भरतजी आदि भाई भी भिन्न-भिन्न रूपों के थे। मैं प्रत्येक ब्रह्माण्ड में रामावतार और उनकी अपार बाल लीलाएँ देखता फिरता॥
दो0-भिन्न भिन्न मैं दीख सबु अति बिचित्र हरिजान।
अगनित भुवन फिरेउँ प्रभु राम न देखेउँ आन॥
हे हरिवाहन! मैंने सभी कुछ भिन्न-भिन्न और अत्यंत विचित्र देखा। मैं अनगिनत ब्रह्माण्डों में फिरा, पर प्रभु श्री रामचंद्रजी को मैंने दूसरी तरह का नहीं देखा॥

क्रमश:

11 फरवरी पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि पर विशेष

राष्ट्रोद्धार के लिए जिसे अपना जीवन अर्पित कर दिया

स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व हम हर प्रश्न की ओर राष्ट्रीय दृष्टिकोण से देखा करते थे। अब प्रत्येक प्रश्न की ओर हम केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखने लगे हैं, कारण साध्य और साधन का विवेक ही शेष नहीं रहा है। पंडित दीनदयाल के उक्त उद्गार से स्पष्टत: परिलक्षित हो रहा है कि आजादी के पूर्व और पश्चात में कितना अंतर आ चुका है, लोगों में अर्थ लोलुपता की भावना का उदय होने से तमाम नैतिकता के तकाजे धरे के धरे रह गये। आज हम देखते हैं कि व्यवसायी हो या नौकरशाह, स्कूल मास्टर हो या चिकित्सक, नेता हो या समाज सेवक सभी बेहिचक भ्रष्टाचार करने में संलग्न हैं। उपाध्याय का चिंतन आज सर्वव्यापी हो गया है।

पंडित दीनदयाल का जन्म मथुरा जिले के नगला चंद्रभान ग्राम के निवासी भगवती प्रसाद के यहाँ 25 दिसंबर 1916 को हुआ था। इनकी माता का नाम रामप्यारी देवी था। वे बहुत धर्मपरायण महिला थी। उनका लालन पालन अपने पैतृक घर में नहीं वरन् नाना व मामा के यहाँ हुआ। इनके नाना श्री चुन्नीलाल शुक्ल राजस्थान के धनकिया नामक रेलवे स्टेशन में स्टेशन मास्टर थे। ढाई वर्ष की अल्पायु में ही इन्हें पिता के मृत्यु का आघात सहना पड़ा। पितृहीन शिशु दीनदयाल का बाल्यावस्था माँ की गोद में बीत रहा था कि जबवे सात वर्ष के ही थे माता रामप्यारी भी उन्हें छोड़कर भगवान को प्यारी हो गई। दीनदयाल बचपन से ही माता - पिता के स्नेह छाया से वंचित हो गये। माँ के देहांत के मात्र दो वर्ष पश्चात सितम्बर 1916 में नाना चुन्नीलाल भी स्वर्ग सिधार गये।

दीनदयाल का बचपन अब मामा के छत्रछाया में पलने लगा। उनकी मामी नितांत उदार, स्नेहिल व मातृवत थी। दीनदयाल जब पंद्रह वर्ष के ही हुये थे उन्हें पुन: मामा के देहांत का वज्राघात सहना पड़ा। मामा के मरणोपरांत कोटा से अपनी पढ़ाई छोड़कर उन्हें अलवर आना पड़ा।. इसी छोटी आयु में दीनदयाल अपने छोटे भाई शिवदयाल के पालक भी थे। विधाता की प्रताडनाओं ने इनका परस्पर स्नेहिल, अधिक संदेशनशील व स्निग्ध कर दिया था। अभी दीनदयाल ने अपने

पालको की मृत्यु का ही अनुभव किया था। शायद मृत्यु अपने को सर्वागत: दीनदयाल के समक्ष साक्षात करने पर तुली थी। जब दीनदयाल नवीं कक्षा में पढ़ रहे थे, कि छोटा भाई बीमार पड़ गया। दीनदयाल ने सब प्रकार के उपचार करवाये पर 18 नवम्बर 1934 को शिवदयाल अपने बड़ भाई को अकेला छोड़ संसार से विदा हो गया। हालाँकि दीनदयाल के सर पर एक झुरियोँ भरा स्नेहिला नानी का साया था। वे उन्हें बहुत स्नेह करती थी। पर 1935 को वे भी चल बसी, इस समय दीनदयाल उन्नीस वर्ष के ही थे।

टीनदयाल असाधारण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने बी.ए. तथा एल. टी. तक की परीक्षाएँ प्राविण्य सूची के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी।ये प्राय: प्रत्येक परीक्षा में स्वर्ण पदक तथा शासकीय छात्रवृत्ति प्राप्त किया करते थे। 1937 में गष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संपर्क में जाने के पाँच वर्ष बाद, 1942 में ये उसके पूर्णकालिक प्रचारक हो गये। इस प्रकार पारिवारिक कुटुंब से रहित इस भारत पुत्र ने संपूर्ण राष्ट्र को ही अपने कुटुम्ब के रुप में अपना लिया। इसके पाँच वर्ष पश्चात् उन्होंने उत्तर प्रदेश के सहप्रांत प्रचारक का पद संभाल लिया। इसके साथ साथ उन्हें साप्ताहिक पांच जन्य तथा दैनिक स्वदेश के संपादक का उत्तरदायित्व भी सौपा गया।

एक तहसील प्रचारक मे प्रचारक जीवन प्रारंभ कर संपूर्ण प्रदेश को अपनी कार्य तत्परता, संगठन कुशलता व अपने स्वभाव की अलौकिक सुगंध से प्रभावित करने में दीनदयाल पूर्ण सफल रहे। इसी बीच पूर्व प्रधानमंत्री जिनका देश के उच्च श्रेणी के नेताओं में गणना है, श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कानपुर में अपना अध्ययन समाप्त कर इनके सम्मुख पहुँच गये। उस समय से ही श्री वाजपेयी का कवित्व काफी प्रभावी बन चुका था। दीनदयाल ने अटल की साहित्यिक प्रतिभा का अधिक से अधिक उपयोग करने का निश्चय किया, उनका यही विचार राष्ट्र धर्म प्रकाशन का निमित्त बना। राष्ट्रधर्म का प्रकाशन कार्य व्यवसाय के रूप में प्रारंभ नही किया गया था। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा जितने भी कार्य प्रारंभ किये गये थे, वे व्यवसाय की दृष्टि से खड़े नहीं किये गये। समाज चेतना और जनजागरण के उददेश्य को लेकर यह कार्य प्रारंभ किया गया, और इसे दीनदयाल जी, अटल व नानाजी देशमुख जैसे व्यक्तियों ने अपने सतत श्रम के बलबूते पर खड़ा किया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रुप में इन्होंने सबके सम्मुख जो आदर्श प्रस्तुत किया, उससे जो इनकी ख्याति फैली तो पूरे भारत में इनकी प्रतिभा, परिश्रम एवं कुशल संगठन शीलता की धाक जम गई। संघ की केंद्रीय कार्यकारिणी में इनका मार्गदर्शन अनिवार्य हो चला। अकिंचन और अनार्य दीना (दीना इनको बचपन से परिवार जनों द्वारा कहा जाता था) कठोर तप करके राष्ट्रीय नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के रूप में स्थापित हो गया। वह विचार सामने आया कि अपनी विचारधारा का एक राजनैतिक संगठन खड़ा किया जावे। इस विचार के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय ही थे। पश्चात जनसंघ की स्थापना की गई, जिसके अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखजी और महामंत्री दीनदयाल नियुक्त किये गये। इनके नेतृत्व में जनसंघ की यात्रा प्रारंभ हुई जो देखते ही देखते पूरे राष्ट्र में इसने अपने झण्डे गाड़ दिये। दीनदयाल के नेतृत्व में एक चेतना जागृत होने लगी। पंडित के आडंबर हीन, निस्वार्थ तथा कर्मठ नेतृत्व में जनसंघ ने जो प्रगति की, उसके विषय ने विदेशी लेखक ग्रेग वैक्स्टर ने लिखा है- जनसंघ ही एकमात्र दल है, जिसने 1952 से 1967 तक के हर चुनाव में प्राप्त मतों का प्रतिशत एवं लोकसभा तथा विधानसभाओं में मिले स्थापना का अनुपात लगातार बढ़ाया है। यह सब पडित दीनदयाल का ही कमाल था। उनकी सरलता, निस्पृहता, निश्चित शैली, सादगी, विनम्रता, मधुर वाणी, कुशल नेतृत्व, गहन चिंतन, ध्येय निष्ठता, कठोर साधना जनसंघ के कार्यकर्ताओ के लिये और पूरे भारत के लिये एक वरदान बनकर आया था।

-सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भजन लाल शर्मा सरकार के बजट में दिखा मोदी का विजन

राजस्थान में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में पेश किए गए भाजपा सरकार के पहले लेखा अनुदान (अंतरिम बजट) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन परिलक्षित हुआ है। यह बजट पूरी तरह से आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लोक लुभावना बनाया गया है। हालांकि अंतरिम बजट होने के कारण इसमें अधिक घोषणायें नहीं की गई हैं। फिर भी बजट में ऐसी अन्य को बातों को शामिल किया गया है जिसका असर सीधे आम लोगों पर पड़ता है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कई गारंटी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी की बहुत-सी गारंटीयों को इस बजट में शामिल किया गया है। अनुभव के हिसाब से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट पेश किया था। मगर जिस तरह से उन्होंने बजट भाषण पढ़ा उसमें पूरा आत्मविश्वास झलक रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का यह पहला बजट था। इस कारण सरकार को चुनाव के दौरान किए गए लोक लुभावने वायदों को बजट में शामिल किया जाना बहुत जरूरी था। उसी को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने बजट में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों, धर्माचार्य को खुश करने के लिए बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश में बुजुर्गों को अभी तक रोडवेज की बसों में 30 प्रतिशत किराए में छूट मिलती थी जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा मासिक पेंशन को एक हजार रूपये से बढ़कर 1150 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने बजट में 70 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा भर्ती कैलेंडर भी बनाने की बात कही गई है। राजस्थान में पिछली अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली को लेकर था। गहलोत सरकार के कार्यकाल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परीक्षाओं को निरस्त करना पड़ा था। बाद में प्रशासनिक परीक्षाओं में भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के परिजनों के चयन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते आम जन में गहलोत सरकार की नकारात्मक छवि बनी थी।

इस बात को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार ने अपने पहले ही बजट में युवाओं को लुभाने के लिए एक साथ 70 हजार नयी भर्तियों की घोषणा की है। हालांकि भाजपा ने चुनाव से पहले राजस्थान लोक सेवा आयोग में आमूल चूल परिवर्तन करने की बात भी कही थी। मगर उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। भाजपा को पता है कि प्रदेश के युवा मतदाताओं की बदौलत ही उनकी सरकार बन पाई है। ऐसे में उन्हें अपने साथ जोड़े रखना बहुत जरूरी है।

संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। प्रदेश में इसका बड़ा असर होगा तथा कई लाख लोगों को इस बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा मिल पाएगा। अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार-बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में हैं। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई लखपति दीदी बनाने की घोषणा की थी, उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बांड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रथम प्रसव पर 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। जबकि अभी तक यह राशि पांच हजार थी। प्रदेश के सभी ब्लॉकों में एक-एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनेगी। सभी नारी निकेतनो में सीसीटीवी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

किसानों के लिए भी बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। पीएम किसान निधि में मिल रहे 6000 की राशि को बढ़ाकर 8000 रुपये प्रतिवर्ष किया गया है। इस तरह हर किसान को साल में 2000 रुपये का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसे आगे बढ़कर 12000 रुपये तक किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे चालू वर्ष में 5 लाख गोपालक परिवारों को एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। करीबन 33 लाख किसानों को विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। अल्पआय, लघु सीमांत ,बटाईदार किसानों, खेती और श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। हालांकि सरकारी स्कूलों में आठवीं तक पढ़ाई और 12वीं तक किताबें पहले से फ्री दी जा रही है। 9वीं से 12वीं तक आंशिक फीस ही ली जा रही है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदलकर अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। जिसमें कैंसर का डे केयर इलाज को भी शामिल किया गया है। हाईवे पर हादसों में जान बचाने के लिए 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के 5 लाख घरों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे उन परिवारों के लोगों को 300 यूनिट तक प्रतिमा बिजली नि:शुल्क मिल सकेगी। प्रदेश में मन्दिरों के उन्नयन पर 320 करोड़ रुपये खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे विभिन्न धर्माचार्यों का सरकार को समर्थन मिलेगा।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वायदा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है। प्रदेश के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार को पेट्रोल, डीजल की कीमतों में अविलम्ब कमी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करना चाहिए। जिससे आमजन को राहत मिल सकें। हालांकि सरकार ने चीनी व गुड़ से मंडी टैक्स हटाकर महंगाई कम करने का प्रयास किया है। इससे व्यापारिक वर्ग की एक पुरानी मांग पूरी हुयी है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

माघ शुक्ल द्वितीया

राशिफल

(विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय रहेगा। प्रेम में थोड़ा तू-तू, मैं-मैं हो सकता है क्योंकि भावुक बने रहेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भूमि और वाहन की खरीदारी संभव है, लेकिन गृह-कला भी संभव है। प्रेम की स्थिति अभी थोड़ी-सी बहुत अच्छा नहीं लग रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम और संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम चल रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
बच्चों के सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेमी-प्रेमिका की स्थिति थोड़ी-सी मध्यम या झगड़ालू दिख रही है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बहुत अच्छे ऊर्जावान महसूस कर रहे हैं। प्रेम-संतान की स्थिति सुधर चुकी है। व्यापार बहुत अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन चिंतित रहेगा। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम-संतान अच्छा है और व्यापार भी अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यात्रा में लाभ होगा। मन प्रफुल्लित रहेगा। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार बहुत अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। नए व्यापार के संकेत हैं। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा।

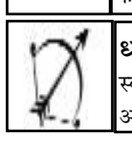

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। भाग्य साथ दे रहा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकता है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेमी-प्रेमिका की स्थिति थोड़ी मध्यम दिख रही है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे, लेकिन जीत अंत में आपकी होगी, लेकिन डिस्टर्बेंस बना रहेगा।

पीड़ित परिवार को रैफर नहीं किया तो ईएसआई अस्पताल के खिलाफ महापंचायत का ऐलान

ईएसआई अस्पताल में किसान एकता संघ ने किया प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। किसान एकता संघ और युवा क्रांति सेना के पदाधिकारियों ने किसान एकता संघ के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह और प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में सेक्टर 24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया। पिछले लगभग एक महीने से अस्पताल में लीवर फेलियर के कारण भर्ती 55 वर्षीय सीबी थापा जीवन की दुखद और पीड़ादायक स्थिति से गुजर रहे हैं।

डॉक्टरों ने जल्द से जल्द लीवर ट्रांसप्लांट के लिए एडवाइज किया है। लेकिन पिछले एक महीने से परिजन अस्पताल प्रशासन के सामने प्राइवेट निजी अस्पताल में लीवर ट्रांसप्लांट के लिए गुहार लगा रहे हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई और मरीज की हालत गंभीर हो गई। परिवार की सहायता के किसान एकता संघ, युवा क्रांति सेना, जीवन अर्पण सामाजिक संस्था और हिंदू रक्षा दल आगे आए। इस दौरान एसएचओ थाना 24 ने अस्पताल पहुंचकर प्रदर्शन समाप्त कराया और दो दिन में रेफर कराने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने बताया की पिछले एक महीने में अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को काफी प्रताड़ित किया है जो निंदनीय है। गरीब और असहाय के साथ अस्पताल का यह व्यवहार चिंताजनक है। प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने कहा की अगर दो दिन में रेफर नही किया तो अस्पताल के खिलाफ महा पंचायत की जाएगी और इस दौरान मरीज के साथ अनहोनी होने पर सख्त कानूनी कार्यवाही करवाएंगे। इस अवसर पर अर्जुन प्रजापति, राजेश अंबावता, कमल यादव, विनीत शर्मा, अंकुर शर्मा, दीपांशु शर्मा, साधु मकवाना, रवि आदि मौजूद थे।

अवैध असलहों की फैक्ट्री का पर्दाफाश

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने हापुड़ में दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध हथियार सप्लाई करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है। पकड़े गए हथियारों में एक रिवॉल्वर नोएडा से चोरी की गई थी। पुलिस को आशंका है कि इन हथियारों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में भी हो सकता था। इस एंगल से भी मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

दरअसल हापुड़ जिले के बाबूगढ़ थाना कोतवाली पुलिस और जनपदीय एसओजी टीम की संयुक्त टीम ने अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने अवैध हथियार और हथियार बनाने में इस्तेमाल मशीनों को बरामद किया है।

बताया जा रहा है कि गिरफ्तार बदमाश दिल्ली, एनसीआर और आसपास के जनपदों में ऑन डिमांड हथियार सप्लाई करते हैं। उनके खिलाफ चोरी, लूट, गैंगस्टर आदि के एक दर्जन से अधिक केस दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि बदमाश हथियारों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में भी कर सकते थे। इसकी जांच की जा रही है और जिन बदमाशों को सप्लाई की गई है, उनकी भी शिनाख्त कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश करने वाली एसओजी और बाबूगढ़ थाना पुलिस की टीम को दस हजार रुपये नगद पुरस्कार दिया गया है।

एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि पुलिस और एसओजी को बाबूगढ़ के कनिया कल्याणपुर गांव के बाहर खंडहर में अवैध रूप से हथियार बनाने की फैक्ट्री की सूचना मिली थी। इस आधार पर छापेमारी कर दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्करों की पहचान गाजियाबाद के भोजपुर के रहने वाले वाहिद उर्फ इल्लो और शाकिब के रुप में हुई है। वहीं मेरठ का रहने वाला कासिम मौके से फरार हो गया। उन्होने बताया कि मौके से नोएडा से चोरी एक रिवॉल्वर, एक फैक्ट्री मेड पिस्टल सहित बड़ी संख्या में अवैध पिस्टल, रिवॉल्वर, तमंचे, बंदूक, अधबने हथियार और उपकरण बरामद किए गए।

एसपी ने बताया कि आरोपी गाजियाबाद और एनसीआर के अन्य एरिया में पिस्टल 45-50 हजार रुपये, अवैध तमंचा 5-6 हजार रुपये, पोनिया को 15-20 हजार रुपये और रिवॉल्वर को 35-40 हजार रुपये में बेचते थे। एक रिवॉल्वर का सीरियल नंबर खरोंचा गया है। इसके बारे में एफएसएल से विधिवत जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

आचार्य प्रमोद कृष्णम 6 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

नई दिल्ली (एजेंसी) लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस पार्टी ने वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम को पार्टी से 6 साल के लिए

निष्कासित कर दिया है। दरअसल, आचार्य प्रमोद कृष्णम अयोध्या में हुए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी द्वारा कार्यक्रम में न जाने के बाद से लगातार कांग्रेस पार्टी के खिलाफ मुखर होकर बोल रहे थे। वहीं अब चर्चा है कि जल्द वो भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। शनिवार देर रात कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी हुए प्रेस नोट में बताया गया कि अनुशासनहीनता की शिकायतों और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयानबाजी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें निष्कासित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे पहले शनिवार को आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस के सीनियर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद से मुलाकात की थी। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर लिखा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य पूर्व कानून मंत्री सलमान खुर्शीद को श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह का सादर निमंत्रण। वहीं पिछले दिनों उन्होंने कल्कि धाम के कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भारतीय जनता पार्टी के तमाम बड़े नेताओं को आमंत्रित भी किया था।

पृष्ठ एक के शेष....

कांग्रेस पाप के दलदल में....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास को लेकर कहा कि यह सब डबल इंजन की सरकार के कारण हो रहा है। डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है। पीएम ने कहा- मोदी यहां लोकसभा चुनाव का प्रचार करने नहीं आया है, वो यहां की जनता का विधानसभा चुनाव में जीत के लिए आभार जातने आया है। उन्होंने कहा- मप्र यहां की जनता ने पहले ही बता दिया है कि उसका मूड क्या है। मोदी ने कहा- मप्र की जतना के जितना भरोसा हम पर जताया है, हम प्रदेश के विकास के लिए उतनी ही मेहनत करेंगे।

वैभव सिंघल का शव....

स्मरण रहे की पुलिस लगातार पिछले दो दिनों से शव की तलाश कर रही थी। यूपी गंग नहर के बाद ड्रोन और एनडीआरएफ की मदद से मथुरा और आगरा में यमुना नदी में सब की तलाश की जा रही थी। इसके अलावा तीन दिन से पुलिस की पांच टीम बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा की गंग नहर में वैभव के शव की तलाश कर रही थी इसके बाद आज चचुरा गांव की नहर में वैभव सिंगल का शब्द पुलिस को मिल गया है शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

लिंक प्रोजेक्ट के एप्रोच रोड ...

ये पुलिस नोएडा और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण की सहभागिता से बनाया गया है। ग्रेटरनोएडा की एप्रोच रोड ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण और नोएडा की नोएडा प्राधिकरण बना रहा है। नोएडा प्राधिकरण का एरिया करीब 1020 मीटर का है। इसमें 45 मीटर चौड़ी सड़क एप्रोच रोड 623 मीटर की है। जिसके लिए भूमिपूजन किया गया।

सेतु की लंबाई 210 मीटर है। इसके बनाने में करीब 6240 लाख रुपए खर्च किए जा रहे है। इस परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने 25 जनवरी 2019 में किया था। नोएडा की ओर बनाई जाने वाली इस एप्रोच रोड की ऊचाई 5.50 मीटर से 8.50 मीटर तक होगी। वहीं ग्रेटरनोएडा की ओर परियोजना की लंबाई 1070 मीटर है। दिल्ली से एक्सप्रेस वे होते हुए परिचौक होते हुए ग्रेटरनोएडा एलजी चौक , कलेक्ट्रेट, सूरजपुर व गाजियाबाद को जाने वाले यातायात को 16 किमी अतिरिक्त चलना पड़ता था। इसके बनने से ऐसा नहीं होगा।

इस लिंक रोड बनने से सेक्टर-151, 153,154,155,156,157,159,160,162 औद्योगिक सेक्टरों को फायदा होगा।

'शक्ति वंदन अभियान' के....

आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। जन-धन योजना में महिलाओं के बैंक में खाते खुले, आज पुरूषों के बराबर महिलाओं के खाते हैं। मुद्रा योजना में 70 प्रतिशत लोन मातृशक्ति को मिलता है। मोदी सरकार ने हर दिन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना पर काम किया है।

इस अवसर पर सामाजिक संगठन में नारी शक्ति संगठन, राष्ट्रीय सेवा संगठन, नैवेद्य फाउंडेशन, महिला उन्नति संगठन, सोसाइटी फॉर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, नम्रता, पंछी, अर्द्नारेश्वर फाउंडेशन, नारी प्रगति आदि कई एनजीओ और सामाजिक संगठन के पदाधिकारी रहे।

इस अभियान के संयोजक महामंत्री उमेश त्यागी, प्रदेश महिला मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी सुचित्रा कक्कड़, राजीव त्यागी, उपाध्यक्ष गिरजा सिंह, महेश अवाना, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, महिला मोर्चा अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी, शिवानी शरद, राजश्री गुप्ता, दीपाली दीक्षित, शारदा सिंहल, रेखा सिंह, सुनीता शुक्ला, नीता वाजपेई, मंजू शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

घटिया निर्माण की कहानी.....

यह काम गुणवत्ता वाला नहीं पाया गया, अगर ऐसा नहीं होता तो सड़क उखड़ती ही नहीं। सड़क पर रोड़ी और बजरी पड़ी हुई है और इससे वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा काफी ज्यादा है।

पर्थला ब्रिज के काम साल 2020 में शुरु हुआ था। इसे जून 2022 तक बनना था, लेकिन बीच में कोरोना और एनजीटी के कारण से काम प्रभावित हुआ। लगभग 1 वर्ष की देरी से काम पूरा हुआ। लॉकडाउन अवधि में काम बंद कर दिया गया था।

नालों में सीवेज पानी....

देखने में पाया गया कि अंडरपास में पेंट हट गया है। इसको दोबारा कराने के लिए कहा गया है। अंडरपास में रोशनी के लिए फसाड लाइट लगाने के लिए कहा गया। वहीं अंडरपास के दीवारों पर लगे पेड़ हो छाटने के कहा गया।

इसके बाद सीईओ सेक्टर-40 व 41 के मध्य मार्ग पर स्थित ड्रेन का निरीक्षण किया गया। यहां नाले को कवर करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सेक्टर-40 की कल्वर्ट को 200 मीटर लंबाई में 15 मीटर चौ ?ाई में बनाने का निर्देश दिया गया। इसके बाद सेक्टर-100 का निरीक्षण किया गया। यहां निर्माणाधीन नाले का निर्माण तत्काल कराने के लिए कहा गया। निरीक्षण में पाया गया कि सीवेज ये संबंधी दुर्गध आ रही थी। ये बदबू सोसाइटी द्वारा नाले में डिस्चार्ज किए जाने के लिए कारण हो रहा था। सोसाइटी को नोटिस जारी किया जाए।

आईएससी का राष्ट्रीय....

उन्होंने वर्ष 2011 में गौतम बुद्ध विष्वविद्यालय में मनोवैज्ञानिक चिकित्सा विभाग की शुरूआत की और तबसे मनोवैज्ञानिक चिकित्सा क्षेत्र में निरन्तर शिक्षण एवं प्रशिक्षण को प्रोत्साहित कर रहे हैं। डॉक्टर सिंह मनोवैज्ञानिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देते हुये न्यूरोफीडबैक, न्यूरोकॉग्नीशन, ब्रेन फिंगरप्रिंटिंग एवं एन0सी0पी0टी0 जैसी चिकित्सा विधियों पर शोध कर चुके हैं और इस क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं।पूर्व में डॉक्टर सिंह को मनोवैज्ञानिक चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुये इनोवेटिव सांइटिस्ट अवार्ड, पॉजिटिविटी अवार्ड, आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन इन फील्ड ऑफ क्लीनिकल साइकोलॉजी अवार्ड, आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन इन फील्ड ऑफ हेल्थ साइकोलॉजी अवार्ड, यंग सांइटिस्ट अवार्ड एवं तारा नायडू अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के द्वारा प्रदत्त साइको ऑरेशन अवार्ड के लिये डॉक्टर सिंह ने विश्वविद्यालय प्रशासन, अपने सहयोगी शिक्षकों, सभी छात्र छात्राओं, परिवार एवं मित्रों का आभार प्रकट किया।

पुराने समय के मुताबिक ....

यह आदेश सभी बोर्डों के स्कूलों पर लागू किया गया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) धर्मवीर सिंह के मुताबिक 12 फरवरी दिन सोमवार से नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित पूरे जिले में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव कर दिया गया है। अब स्कूल सुबह साढ़े आठ बजे से खुलेंगे। बता दें कि ठंड के कारण से स्कूल सुबह 10 बजे से खुल रहे थे। सर्दियों में स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश 16 जनवरी को दिया गया था।

आपको बता दें कि फरवरी महीने में सर्दी का सितम कम हो जाता है। जिसके चलते अब एक बार फिर से जब मौसम सामान्य होने लगा है। जिसको देखते हुए शिक्षा विभाग द्वारा फैसला लिया गया है कि स्कूल की टाइमिंग बदलाव किया जाए। अब गौतमबुद्ध नगर के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूल सुबह 10 बजे के बजाय 8 बजे खुलने शुरू होंगे। सोमवार 12 जनवरी को सभी स्कूलों में बच्चे अपने पुराने समय यानी सुबह 8 ही पहुंचेगें।

आपको बता दें बढ़ती ठंड के कारण हर वर्ष स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया जाता है। इस बार भी स्कूल की टाइमिंग में बदलाव किया गया। स्कूलों की टाइमिंग में ये बदलाव बीती 16 जनवरी 2024 को किया गया था, जिला शिक्षा विभाग द्वारा ये टाइमिंग सुबह 10 बजे हुई थी। सर्दी की वजह से टाइमिंग में बदलाव किया गया था, ताकि बच्चों को सर्दी के कारण कोई परेशानी ना हो, इसको लेकर कदम उठाए गए थे।

सुनील को शहीद का ....

उनको बताया कि सुनील ने आत्महत्या कर ली है। परिजन जब कन्नूर में शव लेने पहुंचे तो सुनील के सिर और आंख पर चोट लगी हुई थी। ऐसे में परिजनों को उनकी हत्या किए जाने का शक हुआ। आरोप है कि जब वह शव लेने केरल गए तो वहां मौजूद पुलिस के अधिकारी एसीपी वेणु गोपाल ने उनका सहयोग नहीं किया। यही नहीं मौत से पहले सुनील ने परिजनो को फोन करके बताया था कि उन पर किसी अन्य द्वारा किए गए घोटाले को स्वीकार करने का उच्च अधिकारी दबाव बना रहे हैं।

मृतक सेना के जवान के परिजनों का कहना है कि सुनील ने भाई को कॉल कर पूरे मामले की जानकारी दी थी। सुनील ने बताया था कि उस पर फर्जीवाड़ा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। वह इससे इन्कार कर रहा है तो कोर्ट मार्शल की धमकी दी जा रही है। इसकी वॉइस रिकार्डिंग भी परिजन के पास मौजूद है।इस मामले को लेकर गौतमबुद्ध नगर अध्यक्ष बार एसोसिएशन उमेश भाटी ने बताया कि सेना के जवान सुनील कुमार के परिजन को न्याय दिलाने के लिए जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों से मुलाकात की गई। अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लेकर पैनल गठित कर सुनील के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराया है। इसके बाद हत्या का केस दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी से सुनील कुमार को शहीद का दर्जा देने की मांग की गई। इस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है।

एसीपी 3 सेंट्रल नोएडा सुमित शुक्ला ने जानकारी देते हुए कहा कि मृतक सेना के जवान के परिजनों की शिकायत पर केस दर्ज कर दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी फंदे से मौत की पुष्टि हुई है। शरीर पर दो जगह घिसट या खरोंच के निशान हैं। कोई गहरी चोट नहीं है।

समस्याओं को लेकर प्राधिकरण के अधिकारियों से की वार्ता

नोएडा (चेतना मंच)। जलापूर्ति, गंदा पानी, समय में कटौती अर्थात 6 बजे से 8 बजे तक आपूर्ति को लेकर सेक्टर-11 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ने नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के अधिकारियों से वार्ता की तथा इस समस्या को समाधान करने की मांग की।

अध्यक्ष हीरालाल गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को बताया कि गंगा जल की आपूर्ति क्यों नही हो पा रही तथा टीडीएस भी 1400 से 1500 तक जा रहा है,जोकि बहुत ही सोचनीय है। इसमें तत्काल सुधार लाया जाय। गंगाजल की आपूर्ति शुरू कराई जाये तथा 6 बजे से 9 बजे तक सुबह शाम गंगाजल की आपूर्ति की जाए। जिससे कि सेक्टर के निवासियों को कोई शिकायत न हो।

इसके अतिरिक्त दो स्थानों पर पाइप लाइन टूटने का भी पता चला जिसे एच ब्लॉक के गेट के पास एवम एल ब्लॉक के हनुमान मंदिर के पास दोनों टूटी हुई लाइनों कर्मचारियों ने सुबह 10 से कार्य शुरू करके दोपहर तक पूरा कर दिया गया गया ।अत: शाम को जलापूर्ति का प्रेशर(दबाव)भीअच्छा हो जाएगा।

लिंक प्रोजेक्ट के एप्रोच रोड का हुआ भूमिपूजन

नोएडा एक्सप्रेस वे को एलजीचौक को सीधे जोडेगा एप्रोच रोड

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा दोनों शहरों को जोड़ने के लिए बनाई जा रहे लिंक रोड की एप्रोच रोड के निर्माण के लिए आज भूमि पूजन किया गया। ये एप्रोज रोड हिंडन पुल से नोएडा एक्सप्रेस वे की 45 मीटर सर्विस रोड तक करीब 623 मीटर की बननी है। निर्माण कंपनी इसका काम शुरू कर दिया है।

इसके बनने के बाद ग्रेटरनोएडा के एलजी चौक से एक्सप्रेस वे तक की दूरी महज 5 मिनट में पूरी की जा सकेगी। पहले ये दूरी तय करने में 16 किमी अतरिक्त चलना पड़ता था। इस पूरे प्रोजेक्ट पर 147 करो ? रुपए खर्च किए जा रहे है।

एलजी चौक से एक्सप्रेस वे तक ये लिंक 2090 मीटर लंबा है। इसे 60 मीटर चौ ?ा बनाया जा रहा है। इस लिंक रोड पर एक पुल हिंडन नदी पर सतु निगत ने बनाया है। ये पुलिस नोएडा और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण की सहभागिता से बनाया गया है। ग्रेटरनोएडा की एप्रोच रोड ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण और नोएडा की नोएडा प्राधिकरण बना रहा है। नोएडा प्राधिकरण का एरिया करीब 1020 मीटर का है। इसमें 45 मीटर चौड़ी सड़क एप्रोच रोड 623 मीटर की है। जिसके लिए भूमिपूजन किया गया। सेतु की लंबाई 210 मीटर है। इसके बनाने में करीब 6240 लाख रुपए खर्च किए जा रहे है। इस परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने 25 जनवरी 2019 में किया था। नोएडा की ओर बनाई जाने वाली इस एप्रोच रोड की ऊचाई 5.50 मीटर से 8.50 मीटर तक होगी। वहीं ग्रेटरनोएडा की ओर परियोजना की लंबाई 1070 मीटर है। दिल्ली से एक्सप्रेस वे होते हुए परिचौक होते हुए ग्रेटरनोएडा एलजी चौक , कलेक्ट्रेट, सूरजपुर व गाजियाबाद को जाने वाले यातायात को 16 किमी अतरिक्त चलना पड़ता था। इसके बनने से ऐसा नहीं होगा। इस लिंक रोड बनने से सेक्टर-151, 153,154,155,156, 157,159,160,162 औद्योगिक सेक्टरों को फायदा होगा।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर मध्य रेलवे G20

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मण्डल विद्युत अभियन्ता (क0वि0), उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा खुली निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.: 1, निविदा संख्या: AGCTRDT202315	अनुमानित लागत (₹): 8671965.40
कार्य का नाम: आगरा मंडल के इंजिनियरिंग विभाग द्वारा विभिन्न स्टेशनों के प्लेटफार्मों के मोडीफिकेशन के कारण ओ. एच.ई. में मोडीफिकेशन का कार्य	धरोहर राशि (₹): 173400/-

कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह, 1. निविदा पत्र भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर देखा व भरा जा सकते हैं। 2. निविदा पत्र सिर्फ भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर दि. 01.03.2024 को 1600 Hrs. तक भरा जा सकता है। 256/24 (ADM)

North central railways | @CPRONCR | @northcentralrailway | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे G20

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2024/520 दिनांक : 09.02.2024

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है

निविदा सं0 230-क0वि0-कार्य ठेका-910-2024	कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के फफूंद, इटावा, टूंडला, हाथरस, अलीगढ़, खुर्जा और दादरी डिपो के अधिकार क्षेत्र में 25 केवी ओएचई की विश्वसनीयता के लिए विभिन्न स्थानों पर जंग लगे कैंटिलीवर का प्रतिस्थापन।

अनुमानित लागत : रू0 2,22,58,668.16, बिड सुरक्षा राशि : रू0 2,61,300.00, कार्य अवधि : 12 महीना, बोली प्रणाली : एक पैकेट, निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 07.03.2024, 14:00 बजे। निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 07.03.2024, 15:00 बजे। एलोकेशन - कैपिटल, यूडब्लूआईडी नं0: 060236233027, नोट- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 254/24 (D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे G20

निविदा सूचना संख्या: AGC-EL-GSU-T-02-24 दिनांक: 09.02.2024

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियन्ता, (गति शक्ति) एन.सी.आर. आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु केवल ऑन लाईन (E-TENDERING) द्वारा खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है।

कार्य का नाम लोकेशन सहित एवं कार्य पूर्ण करने की अवधि: अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत आगरा मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर सोलर पैनल की व्यवस्था।
Completion Period: 180 Days.

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 29477628.00

टेंडर डालने की अंतिम तिथि व समय: दिनांक 04.03.2024 को 15:00 बजे तक टेंडर डाल सकते हैं।

पूरी जानकारी एवं टेन्डर में भाग लेने हेतु इंडियन रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। टेंडर केवल बेव पोर्टल इंडियन रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **15:00 बजे** तक **दिनांक 04.03.2024** तक टेंडर डाल सकते हैं। **259/24 (A)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

खास खबर

जेएनयू में छात्रसंघ चुनाव कराने को देर रात बैठक के दौरान बवाल, एबीवीपी-लेफ्ट सदस्यों में झड़प से कई चोटिल

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में शुक्रवार देर रात एक बार फिर छात्र गुटों में हिंसक झड़प होने का मामला सामने आया है। इस झड़प में दोनों ओर के कुछ लोगों के घायल होने की खबर है। हालांकि, एबीवीपी और लेफ्ट गुट के कार्यकर्ताओं ने हिंसक झड़प और हंगामे के लिए दूसरे पक्ष को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन जेएनयू प्रशासन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जानकारी के अनुसार, जेएनयू में छात्र संघ चुनाव कराने को लेकर हुई बैठक के दौरान आरएसएस से जुड़े एबीवीपी और लेफ्ट समर्थित कार्यकर्ताओं के बीच शुक्रवार देर रात झड़प हो गई, जिसमें दोनों पक्षों ने दावा किया कि उनके कुछ सदस्य घायल हो गए। 2024 के जेएनयूएसयू चुनावों के लिए चुनाव आयोग के सदस्यों का चुनाव करने के लिए परिसर में साबरमती ढाबा में विश्वविद्यालय की आम सभा की बैठक (यूजीबीएम) के दौरान छात्र समूह आपस में भिड़ गए।

गुरुग्राम में 12 और अवैध कॉलोनियों पर चले बुलडोजर, सैकड़ों निर्माणाधीन मकान तोड़े; 61 एकड़ जमीन कर

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने शुक्रवार को फर्रुखनगर ब्लॉक में अवैध रूप से पनप रही 12 कॉलोनियां बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दीं। ये कॉलोनियां करीब 61 एकड़ भूमि पर विकसित हो रही थीं। इनमें 10 निर्माणाधीन और निर्मित मकान और दुकानों को मलबे में मिला दिया गया। इसके साथ ही 100 मकानों के निर्माण को लेकर की गई चारदीवारी को भी तोड़ा गया। डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में तोड़फोड़ दस्ता शुक्रवार सुबह 11 बजे फर्रुखनगर में पहुंच गया। उन्हें फर्रुखनगर गांव में 27 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से 27 कॉलोनियां विकसित होती मिली। इनमें 4 निर्माणाधीन मकानों को तोड़ा गया। 73 मकानों के निर्माण को लेकर बनाई गई चारदीवारी को भी मलबे में मिला दिया गया। यहां बने प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस को भी जमींदोज कर दिया। इसके अलावा तीन निर्मित दुकानें भी तोड़ी गईं। इस दौरान करीब 1400 मीटर लंबी सड़क को उखाड़ दिया। इसके बाद तोड़फोड़ दस्ता गांव सुल्तानपुर में पहुंच गया। यहां करीब 11 एकड़ में 3 कॉलोनियां काटी जा रही थीं। इसमें 2 निर्माणाधीन मकान, 16 चारदीवारी को मलबे में मिलाया गया। 400 मीटर लंबी सड़क को उखाड़ दिया। गांव मुबारिकपुर में करीब 17 एकड़ में विकसित हो रही कॉलोनियों पर बुल्डोजर चला। इस गांव में 3 कॉलोनियां काटी जा रही थीं। मनीष यादव, डीटीपीई, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, लोगों से कई बार अपील कर चुके हैं कि वे अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनियों में अपनी जिंदगी की जमापूंजी नहीं लगाएं, लेकिन वे नहीं मान रहे।

कपल्स के वैलेंटाइन डे के प्लान पर पानी फेर सकता है मौसम, दिल्ली में 14 फरवरी को बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मौसम में अब बदलाव आने लगा है। हालांकि, अभी सुबह और शाम की ठंड बनी रहेगी, जबकि दिनभर तेज धूप के चलते तापमान में इजाफा होगा। शुक्रवार को भी मानक वेधशाला सफदरजंग में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। राजधानी में सुबह हल्का कोहरा देखने को मिला, लेकिन दिन चढ़ने के साथ कोहरा साफ हो गया। सुबह आठ बजे के बाद धूप निकलने से अधिकतम तापमान में इजाफा हुआ। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि धूप खिलने से अगले तीन दिन तापमान में इजाफा होगा, जबकि आसमान साफ रहने से न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। इस दौरान न्यूनतम तापमान दस डिग्री से नीचे रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले सप्ताह एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके चलते खासतौर पर 14 फरवरी को राजधानी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बूंदाबांदी की संभावना है। इस कारण भी अभी तापमान में बहुत तेजी से इजाफा नहीं होगा। बीते दो दिन में चली तेज हवा और धूप के चलते दिल्ली की हवा साफ-सुथरी बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 145 रहा। अगले दो दिन वायु गुणवत्ता ऐसी ही रहने का अनुमान है।

चिंटल सोसाइटी के पांच टावर होंगे ध्वस्त, नोएडा के ट्विन टावर गिराने वाली कंपनी को काम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईटी दिल्ली की तरफ से गुरुग्राम के सेक्टर-109 स्थित चिंटल पैराडाइसो सोसाइटी के असुरक्षित डी, ई, एफ, जी और एच टावर इसी माह के अंत तक तोड़ने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसको लेकर एक कंपनी का चयन कर लिया गया है। चिंटल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने उपायुक्त निशांत कुमार यादव को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि तोड़फोड़ की निगरानी के लिए तकनीकी शाखा के अधिकारियों की एक समिति बनाई जाए। वहीं, दूसरी तरफ इन रिहायशी टावर के फ्लैट मालिकों के साथ शनिवार सुबह चिंटल कंपनी के प्रबंध निदेशक अशोक सोलोमन मुलाकात करेंगे। बिल्डर ने इन टावर को तोड़ने के लिए एडीफिस इंजीनियरिंग कंपनी का चयन किया है। उपायुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि ये कंपनी जल्द असुरक्षित घोषित टावर को तोड़ने का काम शुरू कर देगी। चिंटल पैराडाइसो में हुए हादसे को शनिवार को दो साल साल पूरे हो जाएंगे। यह हादसा 10 फरवरी, 2022 को हुआ था। डी टावर के कई फ्लैट की छत नीचे गिर गई थी।

हत्या और जानलेवा हमले के आरोपी होंगे तड़ीपार, 5000 से ज्यादा अपराधी चिह्नित

नई दिल्ली, एजेंसी। लुटेरों और स्नेचरों के बाद गाजियाबाद पुलिस ने अब हत्या, हत्या के प्रयास और बलवे के अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। इन अपराध में शामिल साढ़े पांच हजार हजार अपराधियों को चिह्नित किया है। जिन अपराधियों पर पिछले तीन साल के भीतर हत्या या हत्या के प्रयास या बलवे समेत तीन या तीन से अधिक मुकदमे होंगे, उन पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई कर जिलाबदर किया जाएगा।

गाजियाबाद पुलिस द्वारा अपराधियों पर निरोधात्मक कार्रवाई लगातार जारी है। पिछले दिनों पुलिस ने लूट और छिनैती करने वाले अपराधियों पर गुंडा और गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। इसके अलावा माफियाओं की संपत्ति कुर्क करने के साथ-साथ हिस्ट्रीशीट खोली थी। इसी क्रम में पुलिस ने अब हत्या, हत्या के प्रयास तथा बलवे के अपराधियों पर गुंडा एक्ट लगाने की कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर तीनों जोन की पुलिस ने साढ़े पांच हजार अपराधियों को चिन्हित किया है। अब जिला अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो से उन पर दर्ज अन्य मुकदमों की डिटेल निकलवाई जा रही है। जिस पर हत्या या हत्या के प्रयास या बलवा के साथ-साथ तीन या उससे अधिक मुकदमे दर्ज मिलेंगे, उनके खिलाफ गुंडा एक्ट की

कार्रवाई कर जिलाबदर किया जाएगा। पुलिस की ओर से इसके लिए सख्ती शुरू कर दी गई। कमिश्नरेट बनने के बाद दोगुने अपराधी जिलाबदर हुए गाजियाबाद। कमिश्नरेट बनने के बाद अपराधियों को जिलाबदर करने की कार्रवाई में दोगुना बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2021 में जहां पुलिस द्वारा 35 फीसदी अपराधियों पर जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। वहीं, पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम के दौरान वर्ष 2023 में यह दर 70 फीसदी रही। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021 में जिला पुलिस ने 640 अभियुक्तों पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की। जिसमें से 35 फीसद 229 अभियुक्तों को जिला बदर किया गया। जबकि वर्ष 2022 में पुलिस द्वारा 571 अभियुक्तों पर गुंडा एक्ट के तहत केस दर्ज किया गय, जिनमें से पुलिस ने 47 फीसद 270 अभियुक्तों को जिला बदर कर जिले से बाहर का रास्ता दिखाया। वहीं, गाजियाबाद में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद वर्ष 2023 में पुलिस ने 732 अभियुक्तों पर गुंडा का केस दर्ज किया और 70 फीसदी 513 अभियुक्तों पर जिला बदर की कार्रवाई की। पुलिस कमिश्नरेट में यह कार्रवाई बीते सालों के मुकाबले में काफी ज्यादा है। पुलिस का कहना है कि इस वर्ष भी पुलिस अब तक 82 अभियुक्तों पर जिला बदर की कार्रवाई कर चुकी है।

ग्रामीण जोन में सबसे अधिक संख्या : गुंडा बनाने के लिए चिन्हित किए गए पांच हजार 461 अपराधियों में से 2918 अपराधी ग्रामीण जोन के हैं। दूसरे नंबर पर 1294 अपराधी सिटी जोन और तीसरे नंबर पर 426 अपराधी ट्रांस हिंडन जोन के हैं। इसके अलावा 813 अपराधी अन्य जनपदों के हैं। सूचीबद्ध किए गए सभी अपराधियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

हत्या के 829 आरोपी : पुलिस ने जिन अपराधियों को चिह्नित किया है, उनमें 829 अपराधी हत्या के आरोपी हैं। इसके अलावा हत्या और हत्या के प्रयास के मामलों में शामिल 2110 अपराधी सूचीबद्ध किए गए हैं। 2522 अपराधी ऐसे हैं, जिन पर बलवे का मुकदमा दर्ज हुआ है। इनमें हत्या के 223 अपराधी, जानलेवा हमले के 334 अपराधी तथा बलवे के 256 अपराधी अन्य जिलों के हैं। अजय कुमार मिश्र, पुलिस आयुक्त, हत्या, हत्या के प्रयास और बलवे के मुकदमों के अपराधियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे करीब साढ़े पांच हजार अपराधी चिह्नित किए गए हैं। जिन अपराधियों पर तीन या उससे अधिक मुकदमे दर्ज होंगे, गुंडा ऐक्ट का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जिलाबदर किया जाएगा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो यात्रियों के अच्छी खबर, अब दिनभर वैलिड रहेगा टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा-ग्रेनो मेट्रो लाइन पर टिकट इस्तेमाल करने की अवधि पूरे दिन कर दी गई है। अभी तक यह समय सीमा 30 मिनट थी। इससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही थी। इसको देखते हुए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने यह निर्णय लिया। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. लोकेश एम ने बताया कि नोएडा-ग्रेनो मेट्रो लाइन पर सफर करने के लिए दो तरह से टिकट लेने की सुविधा है। पहला, स्टेशन के काउंटर पर जाकर टिकट ले सकते हैं और दूसरा घर बैठे मोबाइल ऐप से टिकट को बुक कर सकते हैं। शर्त यह है कि टिकट बुक करने के बाद उसको 30 मिनट के अंदर इस्तेमाल करना जरूरी था। इसके बाद वह काम नहीं करता था। उसको काउंटर पर फिर से एक्टिव कराना पड़ता था अन्यथा वह टिकट मेट्रो स्टेशन पर लगे ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट (एएफसी) पर काम नहीं करता था। इससे काउंटरों पर लोगों की लंबी लाइन लग रही थी। इन्हीं दिक्कतों को देखते हुए टिकट इस्तेमाल करने का समय बढ़ाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि हमारी कोशिश है कि स्टेशनों पर कम से कम भीड़ रहे और लोगों को कोई दिक्कत न हो। सवारियों की सहूलियत के लिए कई योजनाओं पर काम चल रहा है। गौरतलब है कि डीएमआरसी की तरफ से संचालित मेट्रो लाइनों के स्टेशनों पर टिकट इस्तेमाल करने की समय सीमा ढाई घंटे है। मेट्रो से सफर करने वाले प्रशांत कुमार, ओम झा, मीनाक्षी आदिन ने बताया कि यह सही फैसला है। इससे उन जैसे तमाम यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। अमरेश ने बताया कि कई बार किसी के इंतजार में मेट्रो स्टेशन पर समय बिताना पड़ता था। ऐसे में दोबारा टिकट लेना पड़ता था।

दिल्ली फिर शर्मसार, डीयू के पास गर्ल्स हॉस्टल के अंदर वार्डन से गैंगरेप; मालिक के दोस्तों ने लूटी आबरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस के पास कमला नगर इलाके में स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल में महिला वार्डन के साथ दो लोगों द्वारा गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। रूप नगर थाना पुलिस ने घटना के तीन दिन बाद बुधवार को इसकी जानकारी मिलने पर हॉस्टल संचालक के दो दोस्तों पर गैंगरेप की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, 20 वर्षीय पीड़िता पिंकी (परिवर्तित नाम) रूप नगर इलाके में रहती है। वह लड़कियों के हॉस्टल में वार्डन और खाना पकाने का काम करती है। पीड़िता ने बताया कि उसकी ड्यूटी रात को हॉस्टल में रुकने की भी है। पीड़िता ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह रविवार रात को हॉस्टल पहुंची तो पीजी मालिक डिंपल अपने दोस्त राहुल और मोहित के साथ वहां आया। राहुल और मोहित उसके साथ छेड़छाड़ करने लगे। इस दौरान डिंपल फोन करने के बहाने बाहर चला गया। इसके बाद राहुल और मोहित ने उसके साथ गैंगरेप किया। वारदात के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए डिंपल के साथ वहां से चले गए। पीड़िता ने बताया कि सोमवार रात को राहुल दोबारा आया और दुष्कर्म किया। वारदात के बाद से वह काफी डरी हुई परेशान थी।

दरारें...पानी रिसाव और ट्रैफिक जाम, 18 महीने में ही प्रगति मैदान टनल की हालत खराब; सुविधा की जगह बनी आफत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रगति मैदान टनल का निर्माण वाहन चालकों जाम को राहत देने के लिए किया गया था, लेकिन पिछले कई दिन से इसकी हालत खराब है। यहां लगातार मरम्मत कार्य और पानी के रिसाव के चलते बीते एक सप्ताह से जाम लग रहा है। साथ ही, टनल में बनाई गई लाखों की पेंटिंग भी खराब हो रही हैं। बिना किसी सूचना के टनल को बंद कर दिया जाता है। इस कारण नई दिल्ली से रिंग रोड होते हुए पूर्वी दिल्ली, नोएडा और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की तरफ जाने वाले लोगों को जाम से परेशान होना पड़ रहा है।

एक सप्ताह से बनी हुई है दिक्कत : 18 महीने पहले यातायात के लिए खोली गई 1.3 किलोमीटर लंबी टनल की सड़क में दरारें और पानी के रिसाव की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही। टनल के एक हिस्से में मरम्मत होती है तो कुछ दिन बाद दूसरे हिस्सों में कार्य शुरू हो जाता है। आलम यह है कि शाम के समय टनल से बाहर निकलने में कई बार 30-40 मिनट

तक का समय लग जाता है, क्योंकि तीन लेन में से एक या दो को बंद कर देते हैं।

शुक्रवार शाम भी मरम्मत के चलते इंडिया गेट सर्किल से पटियाला हाउस कोर्ट रोड के सामने से पूरी टनल को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया, जबकि मथुरा रोड से टनल के अंदर प्रवेश करने वाला रास्ता करीब पांच दिन से बंद है। पहले से कोई सूचना न होने की वजह से नई दिल्ली से पूर्वी दिल्ली की तरफ जाने वाले अधिकांश वाहन आईटीओ की तरफ से निकलते हैं, जिससे आईटीओ पर भी जाम की स्थिति बन रही है।

रात को साढ़े नौ बजे तक ज्यादा परेशानी : नई दिल्ली से पूर्वी दिल्ली की तरफ जाने के लिए आईटीओ, प्रगति मैदान टनल और रिंग रोड पर शाम पांच से रात आठ बजे तक वाहनों का दबाव अधिक होने की वजह से जाम रहता था, लेकिन अब टनल बंद होने या फिर कुछ लेन बंद होने से वाहन लंबे समय तक जाम में फंस रहते हैं। बीते 10 दिन से इन हिस्सों में रात के करीब 9 से 9.30 बजे तक भारी जाम लग रहा है। मौजूदा समय में टनल के साथ पांच अंडरपास यातायात के लिए खुले हैं। इनमें चार मथुरा रोड पर स्थित है, जबकि पांचवां भैरों मार्ग से प्रगति मैदान को जोड़ता है। छठा अंडरपास भैरों मार्ग से रिंग रोड को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा है, लेकिन इन सभी अंडरपास के अंदर भी सड़क टूटने और रिसाव की समस्या है। कई बार यहां पानी निकालने के लिए मशीन लगाई जाती है। यातायात शुरू होने के बाद टनल सवालों के घेरे में रही है। परियोजना के लिए बनी विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में प्रवेश और निकासी के लिए तीन-तीन लेन (दोनों तरफ से) बनाने का सुझाव दिया गया।

गोकुलपुरी मेट्रो हादसे से सबक, पिंक लाइन स्टेशनों की दीवारों की होगी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन पर गुरुवार को हुए हादसे के बाद पिंक लाइन पर बनी पूरी दीवार (चारदीवारी) का निरीक्षण किया जाएगा। अगर कहीं भी दीवार कमजोर मिली तो उसकी मरम्मत की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर नई दीवार बनाई जाएगी। यह निर्णय प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में लिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के मुख्य प्रवक्ता अनुज दयाल के अनुसार, गोकुलपुरी हादसे को लेकर प्रबंध निदेशक ने विभिन्न विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की है। इसमें यह तय किया गया है कि पिंक मेट्रो लाइन के एलिवेटिड हिस्से का बारीकी से निरीक्षण किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो। प्रबंध निदेशक ने निर्देश दिए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर मरम्मत कार्य किया जाए। इस दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा के सभी उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

डीएमआरसी द्वारा अपने स्तर पर मामले की छानबीन की जा रही है। प्रबंध निदेशक

गुरुवार शाम घटनास्थल पर पहुंचे और वहां का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इस हादसे को लेकर जानकारी हासिल की। मजलिस पार्क से शिव विहार के बीच बनी पिंक लाइन मेट्रो की कुल लंबाई लगभग 59 किलोमीटर है। इस पर कुल 38 स्टेशन हैं, जिनमें से 26 एलिवेटिड और 12 भूमिगत हैं। अन्य विभागों को भी निरीक्षण के आदेश डीएमआरसी सूत्रों ने बताया कि मेट्रो में सफर के दौरान किसी प्रकार का हादसा न हो, इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें निर्माण के अलावा ट्रैक, सिग्नल, रॉलिंग स्टॉक आदि विभाग भी शामिल हैं।

जनता से सहयोग मांगा : मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त जनक गर्ग ने शुक्रवार से जांच शुरू कर दी है। उन्होंने जनता से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी या साक्ष्य हो तो वह शनिवार सुबह 11 बजे के बाद बाराखंभा रोड स्थित मेट्रो भवन के सम्मेलन कक्ष में दे सकता है।

दिल्ली आकर 62000 विदेशी नागरिक लापता, इमिग्रेशन विभाग ने पुलिस को सौंपी गायब लोगों की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस अलग-अलग देशों से दिल्ली आए 62 हजार लापता विदेशी नागरिकों की तलाश कर रही है। इन विदेशी नागरिकों का भारत में वीजा समाप्त हो चुका है, लेकिन इनकी सरकार के पास कोई जानकारी नहीं है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने पुलिस को दी है। वहीं, गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को इनकी तलाश करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में भारत आए लाखों विदेशी नागरिक लापता हैं। यह विदेशी नागरिक, पढ़ने, इलाज कराने या घूमने के लिए भारत आए थे, लेकिन वीजा अवधि समाप्त होने के बाद से उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। सरकार को इस बात की भी स्पष्ट जानकारी नहीं है कि उन्होंने वीजा बढ़वाने के लिए आवेदन भी किया है या नहीं। इनमें ज्यादा संख्या नाइजीरिया और अफगानिस्तान से आए लोगों की है। इमिग्रेशन विभाग ने ऐसे लोगों की सूची तैयार कर दिल्ली पुलिस को सौंपी है। जानकारी उपलब्ध कराई सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय की तरफ से लापता विदेशी नागरिकों की सभी जानकारी डोंगल के माध्यम से भेजी है। प्रत्येक जिले के अतिरिक्त उपायुक्त को डोंगल दिया गया है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि उन विदेशी नागरिकों की तलाश करें, जिन्होंने उनके क्षेत्र का पता दिया हुआ है।

अपराध में लिप्त होने का शक : पुलिस को शक है कि अवैध तरीके से भारत में रह रहे विदेशी नागरिक अपराध में लिप्त हो सकते हैं। कई बार ड्रग्स तस्करी के

मामले में विदेशी नागरिक पकड़े जा चुके हैं। ऐसे में उन्हें पकड़कर विदेश डिपोर्ट करने से अपराध में भी कमी आएगी। विदेशी नागरिक को भारत आने से पहले वीजा लेना होता है। अगर उसे अतिरिक्त समय लग रहा है तो वह वीजा समाप्त होने से पहले इसकी अवधि को बढ़ाने के लिए आवेदन करता है। अगर किसी शख्स ने वीजा बढ़वाने के लिए आवेदन भी कर रखा होता है तो उसे डिपोर्ट नहीं किया जाता। दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच को इसके लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है। स्पेशल ब्रांच की तरफ से प्रत्येक जिले की पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि वह उपलब्ध कराए गए पते पर जाकर विदेशी नागरिक का सत्यापन करें। अगर विदेशी नागरिक ने वीजा बढ़ाने के लिए आवेदन किया है तो इससे स्पेशल ब्रांच को अवगत कराएं।

चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद से शुरू की थी वकालत, इस गांव से रहा लगाव; भारत रत्न पर लोगों ने जताई खुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने से गाजियाबाद के लोगों में खुशी का माहौल है। चौधरी चरण सिंह को गाजियाबाद से विशेष लगाव था। उन्होंने सबसे पहले गाजियाबाद से वकालत शुरू की थी। वह यहां आर्य समाज के सचिव भी रहे। उनका परिवार कई साल तक भोजपुर ब्लॉक के भदोला गांव में रहा। चौधरी चरण सिंह ने वर्ष 1935 में गाजियाबाद से वकालत शुरू की। उस वक्त गाजियाबाद मेरठ जनपद की तहसील थी। लोग बताते हैं कि चौधरी चरण सिंह अधिवक्ताओं में बहुत लोकप्रिय थे।

आर्य समाज के कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह जब बोलते थे तो लोग उन्हें सुनने के बाद ही जाते थे। हापुड़ के नूरपुर गांव से उनका परिवार भदोला गांव आ गया था। इसके बाद परिवार मेरठ के जानी ब्लॉक के भूपगढ़ी चला गया। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर गन्ना समिति के चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के नेतृत्व में किसानों ने दिल्ली के कनॉट प्लेस जाकर गुड़ बांटा। इस अवसर पर दिलावर सिंह, हरेंद्र सिंह फौजी, सुशील कुमार, ऋषिपाल सिंह, युजवेंद्र सिंह, भीम सिंह आदि मौजूद रहे। रालोद के क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भुल्लन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मेरठ रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मिठाई बांटी। रालोद नेता रविंदर चौहान, भूपेंद्र सिंह बॉबी,

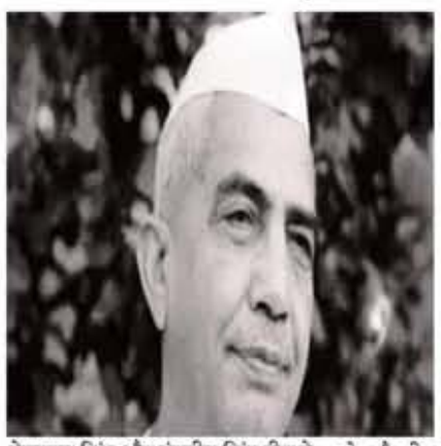

तेजपाल सिंह और इंद्रजीत सिंह टीटू ने भी खुशी जाहिर की। रालोद विधायक मदन भैया ने कहा कि सरकार की घोषणा से खुशी का माहौल है। कस्बा पतला से रहा विशेष लगाव पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को कस्बा पतला से विशेष लगाव था। गृहमंत्री रहते हुए भी कस्बा पतला में आए। यहां पर उनके नाम पर आईटीआई और इंटर कॉलेज हैं। माल्यार्पण कर मिठाइयां बांटी बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मिठाइयां बांटीं। बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली ने कहा कि चौधरी चरण सिंह बार के सदस्य रहे हैं। यह बार के लिए गर्व का विषय है। पूर्व अध्यक्ष अमर पाल सिंह तेवतिया ने कहा कि खुशी की लहर है। इस अवसर पर चौधरी अजय वीर सिंह, पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र राठी, नाहर सिंह राठी , सुनील त्यागी, जितेन्द्र चौहान आदि मौजूद रहे।

भारत रत्न मिलने पर खुशी जताई राष्ट्रीय जाट महासभा भारत ने खुशी जताई है। जिला अध्यक्ष आनंद चौधरी, उपाध्यक्ष सोहनवीर सिंह, मोहित मलिक ने मिठाइयां बांटीं। अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने चौधरी चरणसिंह को भारत रत्न देने के लिए सरकार का आभार जताया। बैठक कर अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया, छोटूराम, रणधीर सिंह मौजूद रहे। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने भारतीय राजनीति को महलों से निकाल कर गांव की गलियों तक पहुंचाया। किसानों-मजदूरों को भरोसा दिया कि वे सरकारें पलट सकते हैं। ग्रामीण भारत को सशक्त बनाया। पूर्व सांसद केसी त्यागी ने कहा, चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलना खुशी की बात है। चौधरी चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए जो योगदान दिया, उसे भुलाया नहीं जा सकता। मैंने खुद सरकार से भारत रत्न देने की मांग की थी।

विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास लेंगे वार्नर

होबार्ट । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह जून में होने वाले 20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप से भी संन्यास ले लेंगे। वार्नर ने टेस्ट और एकदिवसीय से पहले ही संन्यास ले लिया था। इस प्रकार इसी साल वार्नर का क्रिकेट सफर समाप्त हो जाएगा। इस बल्लेबाज ने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच भारतीय टीम के खिलाफ गत वर्ष खेला था। वहीं अपना अंतिम टेस्ट पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए इस बल्लेबाज ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद वार्नर ने कहा कि वह आगामी टी20 विश्व कप में इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहते हैं। वार्नर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 गेंदों पर 70 रन बनाए थे जिसके कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का इनाम मिला था। वॉर्नर ने मैच के बाद कहा कि अब मैं टी20 विश्व कप खेलना चाहता हूं। वार्नर ने न्यूजीलैंड दौरे सहित आगामी चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए टीम के भीतर गति और एकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक इकाई के तौर पर खेलने के कारण ही वेस्टइंडीज टीम के जबरस्त प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम जीतने में सफल रही।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए घोषित की टीम

जडेजा और राहुल की वापसी, आकाशदीप नया चेहरा , विराट और अय्यर शामिल नहीं

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम घोषित कर दी है। टीम में जहां ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी हुई है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल नहीं किया गया है। विराट ने जहां निजी कारणों से बचे हुए मैचों के लिए नाम वापस ले लिया है। वहीं अय्यर चोटिल होने के कारण बाहर हुए हैं। टीम में बिहार के युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप को पहली बार अवसर मिला है। जडेजा और राहुल को टीम में जगह मिल गयी है पर उन्हें फिट होने पर ही अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल को भी टीम में जगह मिली है। विराट के बाहर होने के कारण पाटीदार को उनकी जगह बल्लेबाजी का अवसर मिलना तय नजर आता है।

वहीं विराट को लेकर बीसीसीआई ने कहा है कि वह निजी कारणों से सीरीज से बाहर हैं। साथ ही कहा कि बोर्ड उनके इस फैसले का पूरी तरह से सम्मान करता है। साथ ही कहा कि जडेजा और राहुल के खेलने पर फैसला मेडिकल टीम की ओर से फिटनेस का आंकलन किये जाने पर ही लिया जाएगा। वहीं मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी टीम से बाहर हो गए हैं। विशाखापत्तन टेस्ट मैच के बाद ही अय्यर की पीठ में जकड़न आ गयी थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से राजकोट में जबकि चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची में खेला जाएगा। वहीं पांचवां और अंतिम टेस्ट 7 मार्च से धर्मशाला में होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है: रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

संक्षिप्त समाचार

विराट के सीरीज से बाहर रहने पर बोले स्टेन, परिवार पहली प्राथमिकता

किसी के आने या जाने से जिंदगी नहीं रुकती : चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों में नहीं खेल रहे। इस बारे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की घोषणा के बाद दो पूर्व क्रिकेटरों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इसी को लेकर दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि परिवार आपकी सबसे पहली प्राथमिकता होती है। स्टेन ने कहा कि अगर विराट ने आराम से बैठने और परिवार के साथ कुछ समय बिताने का फैसला किया है तो उन्हें इसमें उन्हें कोई गलती नहीं दिखती है। परिवार आपकी सबसे पहली प्राथमिकता है। स्टेन ने साथ ही कहा कि विराट ने लंबे समय तक देश की सेवा की है। उन्होंने यह भी कहा कि दाएं हाथ के बल्लेबाज ने वह सब कुछ किया है जो एक क्रिकेटर अपने देश के लिए कर सकता है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, वह कई वर्षों से भारत के सेवक रहे हैं। उन्होंने विश्व कप जीता है। उन्होंने सफलता के साथ कप्तानी की है। मुझे नहीं पता कि क्रिकेट की दुनिया में अपने को साबित करने के लिए एक आदमी और क्या कर सकता है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि किसी के आने या जाने से जिंदगी नहीं रुकती। जिंदगी चलती रहनी चाहिए, शो चलते रहना चाहिए। हम कोहली की कमी काफी महसूस कर रहे हैं पर इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वह वहां नहीं हैं तो आप सीरीज हार जाएंगे।

राजकोट में डेब्यू कर सकते हैं सरफराज

मुम्बई भारत और इंग्लैंड के बीच 15 फरवरी से राजकोट में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में बल्लेबाज सरफराज खान को डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि विराट कोहली और श्रेयस अय्यर सीरीज से बाहर हो गये हैं। वहीं केएल राहुल और रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी तो हुई है पर उन्हें फिट होने पर ही अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। विराट जहां निजी कारणों से टीम से बाहर है, वहीं अय्यर चोटिल हो गये हैं। अब यदि जसप्रीत बुमराह को राजकोट टेस्ट में यदि आराम मिलता है तो फिर भारतीय टीम अंतिम ग्यारह में इस प्रकार के संयोजन से उतरेगी। अय्यर के बाहर होने से चौथे नंबर पर केएल राहुल उतरेंगे पर यदि राहुल पूरी तरह फिट नहीं होते तो फिर सरफराज का उतरना तय है। वहीं पांचवें नंबर पर रजत पाटीदार उतर सकते हैं। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। वहीं तीसरे नंबर पर शुभमन गिल उतरेंगे। दूसरी ओर गेंदबाजी में अगर जसप्रीत बुमराह को अगर आराम मिलता है तो फिर मोहम्मद सिराज को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय है। सिराज की बाकी बचे 3 टेस्ट मैच के लिए चुनी गई टीम में वापसी हुई है। दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में मुकेश कुमार उतरेंगे। अक्षर पटेल छठे और विकेटकीपर केएस भरत सातवें नंबर पर उतर सकते हैं। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और कुलदीप यादव का खेलना तय है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, सरफराज खान, रजत पाटीदार, केएस भरत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंदन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार।

अंडर-19 विश्वकप

भारत-ऑस्ट्रेलिया खिताबी मुकाबले में अहम भूमिका निभाने सकते हैं उदय, स्ट्रेकर सहित ये खिलाड़ी

मुम्बई ।

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अंडर-19 विश्वकप के खिताबी मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। भारतीय टीम ने अबतक अपने सभी मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने ये खिताब पांच बार जीता है। इस बार टीम उदय सहारन की कप्तानी में जीत के आंकड़े को बढ़ाना चाहेगी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल का टिकट कटाया है। टीम इंडिया की नजरें अब रिकॉर्ड छठी बार विश्व विजेता जीतना है। उदय की कप्तानी वाली इस भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 2 विकेट से जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। दोनों टीमों में कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। भारतीय कप्तान उदय इस समय बेहतरीन फार्म में हैं। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्होंने 6 मैचों में 389 रन बनाए हैं। उदय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। अगर

भारत के बल्लेबाज मुशीर खान ने भी अब तक बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 6 पारियों में 2 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 338 रन बनाए हैं। मुशीर ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के ही सचिन दास ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कठिन हालातों में 96 रन की पारी खेली थी। फाइनल में भी सचिन इस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज टॉम स्ट्रेकर ने भी अब तक घातक गेंदबाजी की है। ऐसे में भारतीय टीम को उनसे सावधान रहना होगा। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 6 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर ने अंडर 19 विश्व

कप में अब तक 12 विकेट लिए हैं। सेमीफाइनल में टीम की जीत में स्ट्रेकर ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज हरजस सिंह अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं पर खिताबी मुकाबले में वह अंतर पैदा कर सकते हैं।

बंगाल से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं आकाशदीप , इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया

मुम्मई ।

इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल मध्यम तेज गति के युवा गेंदबाज आकाशदीप टीम में नया चेहरा हैं। आकाशदीप का जन्म बिहार में हुआ है पर वह बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्हें तेज गेंदबाज आवेश खान की जगह टीम में जगह मिली है। आवेश टीम में बैकअप तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल थे। अब आकाशदीप को टेस्ट में प्रदर्पण का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम में आकाश के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का जन्म भी बिहार में हुआ था पर वह भी बंगाल की ओर से खेलते हैं। दाएं हाथ के गेंदबाज आकाश दीप को इससे पहले सीमित ओवरों के दल में भी जगह मिली थी। उन्हें एशियाई खेलों के अलावा दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टीम में रखा गया था पर उन्हें पदार्पण का अवसर नहीं मिला था। बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले आकाशदीप ने हाल में इंडिया ए की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी शानदार गेंदबाजी से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। आकाश दीप ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की गैर आधिकारिक टेस्ट सीरीज में इंडिया ए की ओर से सबसे अधिक 13 विकेट लिए थे। इसके अलावा आकाश दीप ने साल 2022 आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ओर से खेला था हालांकि वह तब प्रभावित नहीं कर पाये थे। आईपीएल में अपने पहले सत्र में उन्होंने कप्तान फाफ डुप्लेसी को अपनी गति से काफी प्रभावित किया था। आकाश दीप ने साल 2019 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 29 मैचों में 103 विकेट लिए थे। इसके अलावा वह निचले क्रम में तेजी से बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं।

धोनी ने युवा खिलाड़ियों से कहा सम्मान आपके आचरण से आता है

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खिलाड़ियों से कहा है कि सम्मान हासिल करने का प्रयास नहीं करें बल्कि इसे अर्जित करें ये आपके आचरण से आता है। धोनी अपनी बेहतरीन कप्तानी के लिए जाने जाते हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय और टी20 विश्वकप के अलावा कई अन्य खिताब भी अपने नाम किये हैं। धोनी ने एक कार्यक्रम में कहा कि निष्ठा का सम्मान से गहरा संबंध है। जब आप ड्रेसिंग रूम की बात करते हो तो जब तक आपको सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ियों का सम्मान नहीं मिलेगा तब तक आपके लिए उनकी निष्ठा हासिल करना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि आप क्या कर रहे हो, ये नहीं कि आप क्या बोल रहे हो। आप भले ही कुछ भी नहीं बोलो परन्तु अपना व्यवहार आपको वह सम्मान दिला सकता है। धोनी ने कहा कि एक नेतृत्वकर्ता के लिए यह सम्मान उसके काम से आता है, उसकी बातों से नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता था कि एक नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मान हासिल करना अहम है क्योंकि यह कुर्सी या पद के साथ नहीं आता है। यह आपके आचरण से आता है। कई बार लोग असुरक्षित होते हैं। कभी कभी भले ही टीम आप पर विश्वास करती हो पर वास्तव में आप ही पहले व्यक्ति हो जो अपने पर विश्वास नहीं करोगे।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग दबाव पसंद करते हैं और कुछ को यह पसंद नहीं है। कप्तान के लिए एक व्यक्ति की मजबूती और उसकी कमजोरी को समझना अहम है।

यशस्वी के पास सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने मौका

363 रनों की और जरुरत

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आजकल शानदार फार्म में चल रहे हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। अब उनके पास इस सीरीज में सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने का अवसर है। अब तक ये रिकार्ड विनोद कांबली के नाम है। कांबली ने अपने 12वें टेस्ट की 14वीं पारी में ही 1000 रन बना दिये थे। वहीं यशस्वी ने अबतक भारतीय टीम की ओर से छह टेस्ट मैच खेलकर 637 रन बना लिए हैं। इसमें एक शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। यशस्वी का ओवरऑल रिकॉर्ड 6 टेस्ट, 11 पारी, 637 रन है। ऐसे में अगर यशस्वी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 363 रन और बना लें तो उनके टेस्ट करियर के एक हजार रन पूरे हो जाएंगे। उन्होंने सीरीज के पहले दो मैचों में ही 321 रन बना दिये हैं। ऐसे में उनके लिए बचे हुए 3 मैच में 363 रन बनाना असंभव नहीं है। अब तक सबसे कम पारी में हजार रन बनाने का संयुक्त विश्व रिकॉर्ड हरबर्ट सटफ्लिक और एवर्टन वीक्स के नाम है। इन दोनों ने ही नौवें मैच की 12वीं पारी में अपने एक हजार रन बना लिए थे। वहीं जहां तक सबसे कम टेस्ट मैचों में हजार रन बनाने के रिकॉर्ड की बात करें तो यह उपलब्धि सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। ब्रैडमैन ने 7वें टेस्ट की 13वीं पारी में एक हजार रन पूरे किए थे। वहीं नील हार्वे ने 10 टेस्ट, 14 पारी में ये रन पूरे किये थे। इस मामले में विनोद कांबली पांचवें नंबर पर हैं। वहीं भारत के ही चेतेश्वर पुजारा ने 11वें टेस्ट की 18वीं पारी में अपने एक हजार रन पूरे किए थे।

नेसर की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वापसी

कैनबरा ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 फरवरी से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। सीए ने इस सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों की घोषणा की है। नेसर को इसलिए इस सीरीज के लिए शामिल किया गया है क्योंकि चयनकर्ताओं का मानना है कि वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में सीम-अनुकूल पिचों पर नेसर प्रभावी होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लांस मॉरिस के घायल होने और झाय रिचर्डसन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होने से भी नेसर को शामिल करना जरुरी हो गया था।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, नेसर की टीम में वापसी हुई है। देखना बहुत अच्छा है कि नेसर को लंबे समय से उनके लगातार लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में एक और मौका मिला है। जैसा कि हम जानते हैं कि प्रत्येक टेस्ट डब्ल्यूटीसी अंक को देखते हुए अहम है। ऐसे मे हमें इस दौरे में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। यह दौरा एक बहुत मजबूत टीम के खिलाफ एक कठिन चुनौती होगी जो लंबे समय से घरेलू मैदान पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक बार फिर सीरीज के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे।

टीम में कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ के साथ सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के पास रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम

अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर शीर्ष पर आना रहेगा।

डिविलियर्स ने प्रशंसकों से माफी मांगी, विराट के मामले में मैंने गलत जानकारी दी

जोहांसबर्ग । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर होने को लेकर कई प्रकार की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस मामले को लेकर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने हाल ही में कहा था कि विराट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं इसलिए वह अभी खेल से दूरी बनाये हुए हैं और अपने परिवार के साथ हैं। वहीं अब डिविलियर्स ने इस मामले में कहा कि उनसे गलती हो गयी। उन्होंने गलत खबर दे दी। इसलिए वह प्रशंसकों से माफी चाहते हैं। साथ ही कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस समय विराट कहां पर हैं। डिविलियर्स आईपीएल में विराट की आरसीबी टीम से खेलते थे जिससे कारण उनकी विराट से गहरी दोस्ती है। विराट ने जब शुरुआती दो टेस्ट मैचों से बाहर रहने का फैसला लिया था। तब कहा जा रहा था कि उनकी मां बीमार हैं पर कुछ दिन बाद ही विराट के बड़े भाई ने सोशल मीडिया पर इस खबर को गलत बताया था। उनके भाई का कहना था कि उनकी मां ठीक हैं। इसलिए मीडिया इस प्रकार की आधारहीन खबरें न फैलाये। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा प्रेग्नेंट हैं, इस कारण वह नहीं खेल रहे हैं। डिविलियर्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर परिवार पहले है। जैसा कि मैंने कहा था। उस समय मुझसे एक बड़ी गलती हो गई थी। मैंने तब गलत जानकारी दे दी थी। किसी को नहीं पता कि विराट इस समय कहां हैं। उम्मीद करता हूं कि विराट शानदार तरीके से मैदान पर वापसी करेंगे। '

इंग्लैंड को सफल होने आक्रामक और पारंपरिक शैली में संतुलन लाना होगा : वॉन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि टीम को भारत में सफल होने के लिए आक्रामक और पारंपरिक क्रिकेट की शैली में संतुलन बनाना होगा। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज पहले दोनो ही मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वॉन के अनुसार टीम को आक्रामक रणनीति अपनाने के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट में अच्छी सफलता मिली है पर उसे एशेज सीरीज सहित कुछ मुकाबलों में विफलता का सामना भी करना पड़ा है। वॉन ने कहा, 'अब इंग्लैंड एक ऐसी टीम बन गई है जो कड़े प्रयासों के बाद भी अधिक सफलता नहीं हासिल कर पा रही है पर उसकी आलोचना नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद खिलाड़ियों ने काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि चिंता है कि कहीं वे एक ऐसी टीम न बन जाए जो इतना शानदार करने के बाद भी अधिक मैच जीतने में सफल विफल रहें। जब उन्हें एशेज श्रृंखला जीतनी चाहिए थी तब वे नहीं जीत सके और अब भारतीय टीम सीरीज में वापसी में सफल रही। यह भी तब हुआ जब भारतीय टीम में विराट कोहली समेत कई बड़े खिलाड़ी शामिल नहीं थे। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में जीत से सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली थी पर टीम दूसरे मैच में भारतीय गेंदबाजों के सामने बिखर गयी गयी। इससे भारतीय टीम ने जीत के साथ सीरीज में वापसी कर ली। वॉन ने टीम बल्लेबाजों से जरूरत के मुताबिक आक्रामक रूख अपनाने की सलाह दी पर युवा स्पिन गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, 'युवा स्पिनर शानदार रहे हैं। वहीं तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

श्वेत लोगों को त्वचा कैंसर का अधिक खतरा

त्वचा कैंसर के बड़े कारकों में त्वचा का रंग है। इसे मेलानिन कहते है। मेलानिन प्राकृतिक सनस्क्रीन है जो हमें सूर्य की घातक यूवी किरणों से बचाता है। सूर्य से प्रत्यक्ष संपर्क त्वचा कैंसर का सबसे अहम कारक है। जिन लोगों की त्वचा गहरे रंग की होती है उनकी त्वचा में श्वेत लोगों के मुकाबले मेलानिन अधिक होता है और उनमें सूर्य के संपर्क में होने के बावजूद कैंसर का खतरा कम होता है। गहरे रंग वाले लोगों को भी त्वचा कैंसर हो सकता है लेकिन ऐसे सबूत नहीं मिले हैं जिससे साबित हो कि यह स्थिति त्वचा के झुलसने या सूर्य के संपर्क में आने से उत्पन्न होती है।

अधिकतर त्वचा कैंसर के मामले अत्यधिक धूप खासतौर पर सौर अल्ट्रावायलेट (यूवी) विकिरण या तरंगों के संपर्क में आने से होते हैं। ये तरंगें त्वचा की कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त कर देती हैं और उनमें बदलाव करती हैं जिससें कैंसर होता है। मेलानोमा त्वचा कैंसर का सबसे अधिक प्राणघातक प्रकार है। त्वचा कैंसर का खतरा पारिवारिक इतिहास, जीवनशैली (अधिकतर समय बाहर सूर्य की रोशनी के संपर्क में बिताने पर), त्वचा कैंसर और त्वचा के रंग जैसे व्यक्तिगत सहित कुछ चीजों पर निर्भर करता है। अन्य कारकों में त्वचा का आसानी से सूर्य की रोशनी में झुलस जाना, बड़े आकार के तिल या मस्सा होना या वृद्धावस्था शामिल है।

त्वचा कैंसर के बड़े कारकों में त्वचा का रंग है। इसे मेलानिन कहते हैं। मेलानिन प्राकृतिक सनस्क्रीन है जो हमें सूर्य की घातक यूवी किरणों से बचाता है। सूर्य से प्रत्यक्ष संपर्क त्वचा कैंसर का सबसे अहम कारक है। जिन लोगों की त्वचा गहरे रंग की होती है उनकी त्वचा में श्वेत लोगों के मुकाबले मेलानिन अधिक होता है और उनमें सूर्य के संपर्क में होने के बावजूद कैंसर का खतरा कम होता है।

गहरे रंग वाले लोगों को भी त्वचा कैंसर हो सकता है लेकिन ऐसे सबूत नहीं मिले हैं जिससे साबित हो कि यह स्थिति त्वचा के झुलसने या सूर्य के संपर्क में आने से उत्पन्न होती है। जो लोग गहरे रंग के हैं उनमें त्वचा कैंसर हथेलियों, पैरों की तालु या उन स्थानों पर होने की आशंका है जहां पर पहले से चोट या घाव है। वहीं, जिन लोगों की त्वचा का रंग हल्का या श्वेत है उनमें सूर्य की यूवी किरणों से त्वचा कैंसर होने का खतरा सबसे अधिक होता है। ऐसे लोग जो लंबे समय तक या दोपहर को जब सूर्य की किरण तेज होती है, सूर्य के संपर्क में रहते हैं तो उनकी त्वचा झुलसने का खतरा अधिक होता है।

कई अफ्रीकी देशों में लगभग पूरे साल सूर्य से आने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणों का स्तर अधिक होता है और जिन लोगों को खतरा है उन्हें सूर्य के प्रत्यक्ष संपर्क में आने से बचाना चाहिए ताकि त्वचा कैंसर के खतरे को कम किया जा सके। जो लोग सूर्य की रोशनी से होने वाली क्षति जैसे झुर्रियां आना जो स्वास्थ्य खतरा तो उत्पन्न नहीं करती लेकिन शरीर की बनावट को बिगाड़ सकती है, त्वचा के रंग को गहरा करने और कुछ खास तरह की दवाएं लेने वाले लोगों को सूर्य की किरणों से बचने के उपाय करने चाहिए।

सूर्य की किरणों से बचाव पूरे साल हर मौसम में अहम है न केवल गर्मी के मौसम में जब हम अधिक गर्मी महसूस करते हैं। सूर्य से निकलने वाली यूवी तरंगें सर्दी और बादल छाए रहने के दौरान भी नुकसानदेह हो सकती हैं। इसलिए पूरे साल सूर्य से निकलने वाली तरंगों से बचाव करना चाहिए। सौर यूवी तरंगें पानी, रेत, बर्फ और सीमेंट से बनी सतह से भी परावर्तित हो सकती हैं। इसलिए सूर्य के अत्यधिक संपर्क में आने से बचने के लिए समुद्र तट और बांध के पास भी सूरज से बचाव के उपाय करना अहम है।

खुद को सूर्य की यूवी तरंगों से बचाने का सबसे आसान तरीका ऐसे कपड़े पहनना है जिससे शरीर का अधिक से अधिक हिस्सा ढका हो, चश्मा और सिर पर हैट पहनें। इन भौतिक अवरोधकों से अधिकतर सौर यूवी किरणों को त्वचा तक पहुंचने से रोकने में मदद मिलती है। हालांकि, यह कपड़े के प्रकार व रंग पर निर्भर करता है। हल्के रंग के कपड़े गहरे रंग के कपड़ों के मुकाबले सूर्य की किरणों से कम रक्षा करते हैं जो अधिक सौर यूवी विकिरण को अवशोषित करते हैं।

अगर संभव है तो आप कोशिश करें कि पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न चार बजे तक सूर्य के संपर्क में जाने के समय को सीमित करें क्योंकि इस दौरान सौर यूवी किरणें अधिक शक्तिशाली होती हैं। अगर बाहर जाना ही पड़े तो सुरक्षा उपाय अपनाएं।

सनस्क्रीन बचाव की अन्य पंक्ति है और इसे शरीर के उन स्थानों पर इस्तेमाल किया जा सकता है जिन्हें कपड़ों से नहीं ढका जा सकता है जैसे चेहरा, कान और पैरों का निचला हिस्सा। कोशिश करें कि ऐसा सनस्क्रीन इस्तेमाल करें जिसमें अधिक सन प्रोटेक्शन फैक्टर (एसपीएफ) हो। एपीएफ 50 को माना जाता है कि सूर्य से उचित रक्षा करता है लेकिन कोई भी सनस्क्रीन वहन करने और लगाने से बेहतर है कि इनका इस्तेमाल नहीं करें। सबसे अहम चीज याद रखनी है कि उत्पाद का इस्तेमाल उसपर दिए गए निर्देशों के तहत करें और बार-बार उनका इस्तेमाल करें खासतौर पर तैराकी करने या पसीना आने के बाद।

सूर्य की किरणों के सीधे संपर्क में आने से बचें और जहां तक संभव हो छांव में रहें। उदाहरण के लिए पेड़ों, छत और छाते का सहारा लें। कुछ समय सूरज की किरणों के संपर्क में आने से आपके शरीर को विटामिन डी बनाने में मदद मिलेगी जिससे हड्डियां, दांत और मांसपेशियां स्वस्थ रहते हैं और आप बेहतर महसूस करते हैं क्योंकि इससे सेरोटोनिन हार्मोन का स्राव होता है। सेरोटोनिन हार्मोन आपकी याददाश्त को सुधारने और रात को बेहतर नींद में मददगार साबित हो सकता है। अत्यधिक धूप के संपर्क में रहने से त्वचा झुलस सकती है और त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इससे झुर्रियां आदि हो सकती हैं।

(द कन्वरसेशन)

शुरुआती स्टेज के कैंसर के साथ अधिक रोगी आ रहे हैं

भारत में कैंसर तेजी से बढ़ रहा है और अधिक जागरूकता और बेहतर डायग्नोस्टिक सुविधाओं के कारण अधिक रोगियों का पता लगाया जा रहा है। वर्ष 2022 में भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 14,61,427 पाई गई, नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। कोविड के तुरंत बाद, हमने अंतिम स्टेज की बीमारी के साथ आने वाले रोगियों में वृद्धि देखी क्योंकि वे कोविड के दौरान जांच के लिए बाहर नहीं निकले थे। यह चलन कुछ महीनों तक देखा गया था लेकिन अब दिखाई नहीं देता।भारत में महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे आम कैंसर है। इसने सर्वाइकल कैंसर को पीछे छोड़ दिया है, जो अब महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। यह अनुमान लगाया गया है कि भारत में प्रत्येक 25 में से एक महिला को अपने जीवनकाल में स्तन कैंसर होगा। कैंसर के प्रति बढ़ती जागरूकता और बेहतर डायग्नोस्टिक सुविधाओं के साथ, हम देख रहे हैं कि शुरुआती स्टेज के कैंसर के साथ अधिक रोगी आ रहे हैं। मेरे प्रैक्टिस में, लगभग 62 प्रतिशत रोगियों में शुरुआती चरण के स्तन कैंसर होते हैं। सरकारी सेटअप में यह संख्या काफी कम है।

डॉ रोहन खंडेलवाल - लीड कंसल्टेंट एंड एचओडी - द ब्रेस्ट सेंटर, सीके बिरला अस्पताल

लाइफस्टाइल

बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम के प्रति रहें सावधान

इन दिनों मौसम में बदलाव के कारण लोगों में सर्दी-जुकाम बुखार और गले की समस्याओं का जोखिम काफी सामान्य हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों और बुजुर्गों में इस तरह की समस्याओं का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है, ऐसे लोगों को बदलते मौसम में विशेष सावधानियों की जरूरत होती है। वहीं यदि आपको सर्दी-गले में खराश की दिक्कत हो भी जाती है तो हर बार इसके लिए दवाओं की आवश्यकता नहीं है, इसमें कुछ आसान से घरेलू उपाय करके भी लाभ पाया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं मौसम में होने वाले बदलाव के कारण सर्दी-जुकाम और गले में संक्रमण का जोखिम किसी को भी हो सकता है, हालांकि जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें इसका जोखिम अधिक हो सकता है। वर्षों से दादी-नानी के घरेलू नुस्खों की मदद से इस तरह की समस्याओं में आसानी से राहत पाया जाता रहा है।

भाप से बंद नाक में मिलता है आराम

बदलते मौसम के साथ होने वाले संक्रमण के कारण नाक बंद होने की समस्या सबसे सामान्य है। इसके लिए आयुष मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार गले की परेशानी या बंद नाक में पुदीना के पत्तों या अजवाईन के साथ भाप लेने से लाभ मिलता है। यह कफ को कम करने के साथ नाक को खोलने और सांस लेने को आसान बनाती है। गले में होने वाले खराश और दर्द की समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी इस घरेलू उपाय के प्रभाव देखे गए हैं।

लौंग और शहद का सेवन

सूखी खांसी-गले में दर्द और खराश जैसी दिक्कतों को कम करने के लिए लौंग के चूर्ण और शहद को मिलाकर इसका सेवन करने से लाभ पाया जा सकता है। खांसी या गले में जलन होने पर दिन में 2-3 बार इसका सेवन किया जा सकता है। लौंग गले के संक्रमण को कम करने और शहद गले के खराश को कम करने में आपके लिए सहायक है। सर्दी-जुकाम की समस्याओं में इस उपाय से आराम पाया जा सकता है।

नमक पानी के गरारे करें

गले में दर्द और खराश को कम करने और सर्दी के लक्षणों में नमक पानी के गरारे करने से लाभ मिलता है। एक गिलास पानी में 1 टेबल स्पून नमक डालकर 5 मिनट तक उबालें। जब तापमान सामान्य हो जाए तो इसे गरारे करने के लिए इस्तेमाल करें। आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक गले में खराश की स्थिति में राहत के लिए दिन में 3-4 बार गरारे करने की सलाह दी जाती है। गरारे के साथ गुनगुने पानी का सेवन करना भी लाभकारी तरीका हो सकता है।

तुलसी का काढ़ा पिएं

तुलसी सबसे अच्छी एंटीवायरल जड़ी-बूटियों में से एक है जिसे खांसी, सर्दी और गले में खराश में बहुत प्रभावी माना जाता है। 4-5 तुलसी के पत्तों को थोड़े से पानी में उबालकर इसे पीने से लाभ मिलता है। आप चाहें तो इसमें शहद, अदरक मिला सकते हैं। तुलसी के काढ़े में काली मिर्च, अदरक, लौंग, दालचीनी मिलाकर इसका सेवन करने से भी इस तरह की समस्याओं में आसानी से लाभ पाया जा सकता है।

अध्ययन

भारत में कोविड पीड़ितों की वास्तविक संख्या आंकड़ों से 17 गुना ज्यादा

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की अगुवाई में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की वास्तविक संख्या आधिकारिक आंकड़ों से करीब 17 गुना ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में कोविड-19 से अबतक करीब साढ़े चार करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि इंटरनेशल जर्नल ऑफ इंफैक्शियस डीज़ीज़ (आईजेआईडी) में प्रकाशित अध्ययन में अनुमान जताया गया है कि देश में कोरोना वायरस से पीड़ित होने वाले लोगों की संख्या 58 से 98 करोड़ के बीच हो सकती है। बीएचयू की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, अध्ययन में सामने आया है कि भारत में कोरोना वायरस मामलों की वास्तविक संख्या आधिकारिक आंकड़ों की तुलना में कम से कम 17 गुना ज्यादा है। आनुवंशिक विज्ञान के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग संक्रमित तो हुए, लेकिन उनमें इसके लक्षण नहीं दिख रहे थे, जो वास्तविक आधिकारिक आंकड़ों से कई गुना अधिक है तथा यही विसंगति इस अध्ययन में देखी गई है। अध्ययन की अगुवाई करने वाले चौबे ने पीटीआई-भाषा से कहा कि युवा आबादी में बिना लक्षण वाले मामले अधिक थे।

उन्होंने बताया कि इस अध्ययन में देश के 34 संस्थानों के 88 वैज्ञानिक शामिल थे। टीम ने सितंबर से दिसंबर 2020 के दौरान छह राज्यों में 14 जिलों के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 2301 लोगों का सीरो सर्वे (एंटी बॉडी जांच) किया था। शोधार्थियों का कहना है कि इस अध्ययन का सबसे चौंका देने वाला पहलू यह है कि भारत की आबादी के बड़े हिस्से को कोविड संक्रमण के लक्षण नहीं हुए और 26-35 आयु समूह में अधिकतम मामले ऐसे थे, जिन्हें संक्रमण का कोई लक्षण नहीं था। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस की किसी भी लहर के बाद लोगों की एंटीबॉडी जांच से संक्रमण के वास्ताविक मामलों का सटीक मूल्यांकन किया जाता है। टीम ने भारत के 14 जिलों के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे लोगों पर शोध किया, जिन्हें कोरोना वायरस का संक्रमण लगने का अधिक खतरा था, जैसे रेहड़ी-पटरी वाले। अध्ययन के प्रथम लेखक बीएचयू के प्रज्वल प्रताप सिंह ने कहा कि एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में संक्रमित लोगों की संख्या का पता लगाने के लिए नया रूख अपनाया गया और सिर्फ उन लोगों के नमूने लिए गए, जिन्होंने कहा था कि उनमें न तो कभी कोविड के लक्षण सामने आए, न आरटीपीसीआर जांच में वह संक्रमित पाए गए। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में सबसे कम लोगों (सिर्फ दो फीसदी लोगों) के शरीर में एंटीबॉडी मिली थी, जबकि उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर में सबसे ज्यादा (47 प्रतिशत) लोगों के शरीर में एंटीबॉडी मिली। शोधार्थियों ने यह भी बताया कि सरकार की ओर से बताए गए मामलों की संख्या वास्ताविक संख्या से काफी कम थी।

जागरुकता

दिल की सेहत का ख्याल रखें ऐसे

दिल की सेहत को लेकर सबसे पहले स्ट्रेस करना छोड़ दीजिए क्योंकि ये भी दिल पर बुरा असर डाल सकता है। थोड़ा ठहरकर शांति से नोट्स बनाइए कि आपको किस चीज पर काम करने की जरूरत है और बस धीरे-धीरे उस पर अमल करना शुरू कर दीजिए। आपको जिन चीजों का ख्याल रखना है, उसमें शामिल हैं-

- आपके परिवार में किसी भी प्रकार के हृदय रोग या अन्य बीमारियों की हिस्ट्री। यह वह बिंदु है जिसपर लोग अक्सर गौर करना भूल जाते हैं। जरूरी नहीं कि परिवार में किसी को हृदय रोग हों तो आपको भी होंगे ही लेकिन इसकी आशंका हमेशा हो सकती है। इसलिए आपके परिवार में यदि हाई बीपी, हाई शुगर, कोलेस्ट्रॉल आदि भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक आया है तो जरूरी है कि आप कम उम्र से ही अपने रूटीन में स्वास्थ्यवर्धक आदतों को डाल लें। साथ ही अपने मेडिकल चैकअप को समय पर कराते रहें। सबसे अच्छी बात यह है कि आज दिल की लगभग हर बीमारी का इलाज उपलब्ध है और इसके बाद आराम से सामान्य जीवन जिया जा सकता है। अगर आप सतर्कता रखेंगे तो निश्चिंतता से स्वस्थ जीवन जी पाएंगे।

- खर्राटों या स्लीप एप्निया को नजरअंदाज न करें। यदि आप लगातार नींद में बाधा महसूस कर रहे हैं और खर्राटे आपकी आदत बन चुके हैं तो डॉक्टर से सलाह लेकर इसके लिए उपाय करें। स्लीप एप्निया की स्थिति में आपके एयरवे में ब्लॉकेज हो जाता है जिससे सांस लेने में बाधा होने लगती है। जिससे रात में कई बार नींद में ही आपकी सांस रुक भी जाती है। यह हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य हृदय गति और हार्ट फेलियर का कारण भी बन सकता है। अगर आपका वजन ज्यादा है तो आप में इसके होने की आशंका और भी बढ़ जाती है।
- वजन, शुगर, बीपी और कोलेस्ट्रॉल पर कड़ा नियंत्रण रखना। ये एक ऐसी बात है जो जानते ज्यादातर लोग हैं लेकिन इसे अमल में लाना भूल जाते हैं। जैसे रोज भोजन करना, नहाना आदि आपको याद रहता है वैसे ही उपरोक्त नियंत्रण को जीवन का हिस्सा बनाएं। सफेद दुश्मनों यानी नमक, शकर और चावल का सेवन कम से कम कर दें, भोजन में अधिक से अधिक फाइबर और गुड फैट्स जैसे ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को डाइट में शामिल करें। साबुत अनाज, साबुत फल, हरी सब्जियां, आदि का सेवन करें।
- तनाव, स्ट्रेस जैसी स्थितियों से जितना हो सके दूर रहने का प्रयास करें। ये आपके दिल को बड़ी मुश्किल में डाल सकती हैं। मेडिटेशन, म्यूजिक आदि इसमें आपकी मदद कर सकते हैं।
- रोजाना कम से कम 15 मिनिट का व्यायाम और खुली ताजा हवा में डीप ब्रीदिंग चमत्कार की तरह काम करेंगी। इससे रक्त संचार तो सुचारू होगा ही, दिमाग को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी और वह सही तरीके से काम कर पाएगा।
- शराब या सिगरेट कभी किसी समस्या का हल नही हो सकते। इनका दिल की सेहत पर भी बहुत बुरा असर पड़ता है। इनसे दूरी बनाए रखें या सेवन कम से कम करें। रेड वाइन जैसे ड्रिंक्स का प्रयोग थोड़ी मात्रा में कभी कभार किया जा सकता है लेकिन हार्ड लिकर से तो बिल्कुल ही दूर रहें।

लाइफस्टाइल

सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीएं, होंगे कई फायदे

- स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक,एक व्यक्ति को रोजाना आठ से 10 गिलास पानी पीना चाहए। वहीं पानी पीने का तरीका और सही समय कई तरह की बीमारियों को भी दूर रखता है। अक्सर लोग ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं, हालांकि कुछ लोग गुनगुना पानी पीते हैं। लेकिन अगर आप सुबह-सुबह खाली पेट गर्म पानी पीते हैं तो ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इससे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। सुबह गर्म पानी पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। ऐसे में आपको खाली पेट पानी पीने की आदत डालतनी चाहिए।
- खाली पेट एक गिलास गुनगुना पानी पीने से आपका पाचन तंत्र सही रहता है। रोजाना सुबह सुबह पानी पीने की आदत होने से गैस की समस्या और पेट फूलने की समस्या से राहत मिलती है। शरीर से विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।

- स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मुताबिक, खाली पेट गर्म पानी पीने से भूख भी बढ़ती है। इससे सुबह का नाश्ता करने में आपको परेशानी नहीं होती और भरपूर नाश्ता करने के कारण शरीर में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। थकान भी नहीं लगती।
- अगर आपको सिर दर्द की समस्या है तो रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने की आदत डालें। दरअसल, शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी न होने से सिर दर्द होता है। इसलिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और रोज सुबह एक गिलास पानी के साथ दिन की शुरुआत करें।
- गुनगुना पानी पीने से त्वचा में निखार आता है। शरीर में अधिक विषाक्त पदार्थ होते हैं, तो इससे त्वचा पर दाग धब्बे हो जाते हैं। त्वचा मुरझा जाती है और चमक चली जाती है। पानी तो त्वचा में निखार लाने में मददगार होती ही है। रोज सुबह उठकर एक गिलास पानी पीने से दाग-धब्बे से भी मुक्ति मिलती है।

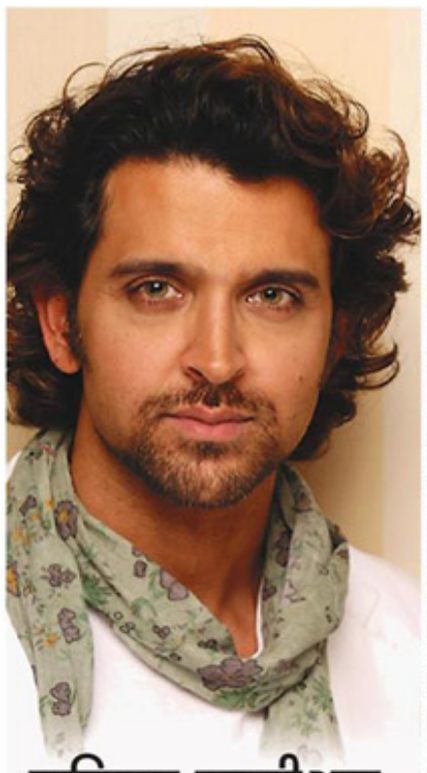

जूनियर एनटीआर के साथ काम करने को उत्सुक हैं ऋतिक

यशराज की स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म वॉर-2 है जिसके जरिये दक्षिण भारत के ख्यातनाम अभिनेता जूनियर एनटीआर हिन्दी सिनेमा में प्रवेश करने जा रहे हैं।

वॉर-2 को निर्देशित करने की जिम्मेदारी आदित्य चोपड़ा ने ब्रह्मास्त्र बनाने वाले अयान मुखर्जी को सौंपी है, जो करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन से जुड़े हुए रहे हैं। यह पहला मौका होगा जब वे यशराज फिल्म्स की किसी फिल्म को निर्देशित करते नजर आएंगे। वॉर-2 आगामी वर्ष 2025 में प्रदर्शित होगी, जिसकी घोषणा पहले ही कर दी गई है। अब वॉर-2 को लेकर ऋतिक रोशन ने कुछ अपडेट मीडिया से साझा किए हैं, जो अपनी हालिया प्रदर्शित फाइटर को लेकर चर्चाओं में हैं। इसके साथ-साथ ऋतिक रोशन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर भी काफी लाइमलाइट में बने हुए हैं। फाइटर से पहले ऋतिक रोशन को 'वॉर' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ भी लीड रोल में नजर आए थे।'वॉर' एक एक्शन फिल्म थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन ने मेगा एक्शन वॉर के सीक्वल को लेकर और साउथ स्टार जूनियर एनटीआर के साथ काम करने को लेकर बात की। ऋतिक ने कहा कि वॉर-2 एक सॉलिड एक्शन फिल्म होने वाली है, जिसकी स्क्रिप्ट बेहद शानदार है। ये एक बड़ी और एंटरटेनिंग फिल्म होगी। मैं बहुत एक्साइटेड हूं जूनियर एनटीआर के साथ काम करने के लिए। ऋतिक रोशन के मुताबिक वह फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं। उनकी लगभग तैयारी हो गई है। जल्द ही वॉर को फ्लोर पर उतारा जाएगा। बहुत जल्द उनके पास सांस लेने का वक्त भी नहीं होगा, काफी कुछ ऐसा है जिसने उन्हें भर दिया है और मोटिवेट किया है। 'फाइटर' के लिए उनकी पीठ थपथपाई जा चुकी है और यह ऐसी चीज है जिसके लिए उनके मन में बहुत आभार है।

आर्टिकल 370 कश्मीर के बदलते हालात को बयां करती है

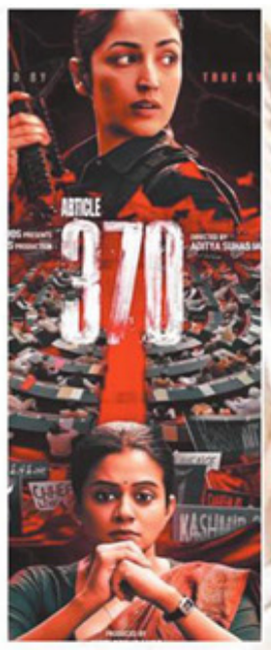

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर देखने के बाद यह साफ हो गया है कि यामी इस फिल्म के जरिए कश्मीर के उस माहौल को दिखाने की कोशिश कर रही हैं जो आर्टिकल 370 के हटने के बाद बना था। वह ट्रेलर में कश्मीर के बदलते हालात पर बात करती दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं, कश्मीर की पूरी कहानी बयां करती नजर आ रही हैं। यहां देखिए फिल्म का शानदार ट्रेलर। ट्रेलर की शुरुआत कश्मीर की सुंदर घाटी से होती है। फिर ब्लैकआउट होता है और यामी गौतम की झलक देखने को मिलती है। यामी, प्रिया मणि से यह कहते हुए सुनाई देती हैं कि कश्मीर एक लॉस्ट केस है मैम। जब तक ये स्पेशल स्टेट्स है हम उन्हें हाथ भी नहीं लगा सकते हैं और वो लोग हमें आर्टिकल 370 को हाथ लगाने भी नहीं देंगे। 'आर्टिकल 370' पर बनी यामी की ये फिल्म 15 दिन बाद यानी 23 फरवरी के दिन रिलीज होगी। इस फिल्म में यामी के अलावा प्रिया मणि नजर आएंगे। वहीं अरुण गोविल, वैभव तत्ववादी, स्कंद ठाकुर और अश्विनी कौल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

नॉर्थ से ताल्लुक रखती हैं ये अभिनेत्रियां, असफल होकर किया दक्षिण सिनेमा का रुख

ग्लैमर की दुनिया चका चौंध से भरी होती है। सोशल मीडिया के इस दौर में हर कलाकार इस इंडस्ट्री में आकर यहां अपनी पहचान बनाना चाहता है। हालांकि, इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों का खास दबदबा होता है। बॉलीवुड के बाद सबसे ज्यादा चर्चित सिनेमा साउथ है। साउथ की फिल्में आज दुनियाभर में नाम कमा रही है। ऐसे में आज के इस लेख में हम आपको उन अभिनेत्रियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो नॉर्थ इंडिया से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन साउथ की फिल्मों में खूब नाम कमाया है।

हंसिका मोटवानी

बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट टीवी से अपना डेब्यू करने वाली अभिनेत्री हंसिका मोटवानी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हंसिका साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। 2003 में हिंदी फिल्म हवा में भी बाल कलाकार की भूमिका निभाई। उसके बाद बतौर हीरोइन उन्होंने हिन्दी फिल्म आप का सुरूर में काम किया। लेकिन उन्हें जब हिन्दी सिनेमा में बहुत सफलता नहीं मिली, तो फिर साउथ की ओर रुख कर लिया। बता दें कि हंसिका मुंबई की रहने वाली हैं।

काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। काजल का ताल्लुक एक पंजाबी परिवार से है। अभिनेत्री अमृतसर की रहने वाली हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद काजल अभिनय की तरफ आकर्षित हुई थीं। अभिनेत्री अपने अभिनय करियर की पारी बॉलीवुड फिल्मों से शुरू की थी। हालांकि, उन्हें जल्द ही समझ आ गया कि हिन्दी फिल्मों में इतनी जल्दी सफलता नहीं मिलने वाली। काजल ने 2007 में तेलुगु फिल्म से दक्षिण सिनेमा का रुख किया।

श्रिया सरन

श्रिया सरन आज साउथ फिल्मों की अभिनेत्री के नाम से ही मशहूर हैं, लेकिन आपको बता दें कि अभिनेत्री का दक्षिण भारत से कोई ताल्लुक नहीं है। 2003 में, सरन पहली बार हिंदी फिल्म, तुझे मेरी कसम में नजर आई, जिसमें रितेश देशमुख और जेनेलिया प्रमुख भूमिकाओं में थे। हालांकि, बॉलीवुड में असफल होने के बाद अभिनेत्री ने साउथ फिल्मों का रुख किया और आज अभिनेत्री किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

रकुल प्रीत सिंह

रकुल प्रीत सिंह साउथ की टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हैं। इनके अलावा रकुल प्रीत सिंह साउथ की बड़ी हीरोइन हैं, जिनका ताल्लुक पंजाबी परिवार से है। साउथ की एक और बड़ी स्टार तमन्ना भाटिया हैं, जिनका महाराष्ट्र से ताल्लुक है। वह मूल रूप से सिंधी हैं।

जूनियर एनटीआर के बाद राम चरण संग इश्क फरमाएंगी जान्हवी कपूर

बुच्ची बाबू सना की आरसी 16 अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में बनी हुई है। इस तेलुगु फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इससे अनुभवी कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार अपना तेलुगु डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, इसकी मुख्य अभिनेत्री को लेकर भी बीते लंबे समय से कयासों का बाजार गर्म है। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि मूवी में राम चरण के अपोजिट सामंथा रुथ प्रभु नजर आएंगी, लेकिन यह रिपोर्ट महज कोरी अफवाह साबित हुई है। आरसी 16 से इस युवा बॉलीवुड अभिनेत्री का नाम जुड़ गया है। बहुत सारी अटकलों, अफवाहों के बाद, राम चरण की बहुचर्चित फिल्म आरसी16 की मुख्य अभिनेत्री से जुड़ा रहस्य आखिरकार सुलझता नजर आ रहा है। बुच्ची बाबू सना द्वारा निर्देशित यह फिल्म उत्सुकता का केंद्र बनी हुई है। इसी बीच इसकी मुख्य अभिनेत्री को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जान्हवी कपूर इसमें मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। उम्मीद है कि यह खबर उन लगातार अफवाहों पर विराम लगाएगी जो मुख्य भूमिका के लिए सामंथा और राशा थडानी सहित विभिन्न नामों का सुझाव दे रही थीं। हालांकि, अभिनेत्री की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन खबर है कि निर्देशक द्वारा कहानी सुनाए जाने के बाद वह आरसी16 का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गई हैं। जान्हवी कपूर फिलहाल जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म देवरा में काम कर रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री अपना तेलुगु डेब्यू करेंगी। वहीं, आरसी16 में उनकी भूमिका उन्हें तेलुगु सिनेमा में अपने कौशल को प्रदर्शित करने का एक और शानदार मौका देगी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद से ही जान्हवी के फैंस इसकी आधिकारिक घोषणा के लिए उत्साहित हो उठे हैं। राम चरण की आगामी फिल्म का अस्थाई शीर्षक 'आरसी 16' रखा गया है। हाल ही में जानकारी आई थी कि ए आर रहमान इसके लिए संगीत तैयार करेंगे। जानकारी के अनुसार, फिल्म की कहानी ग्रामीण खेल नाटक पर आधारित होगी। तमाम रिपोर्ट्स के बाद फैंस को इसके स्टारकास्ट की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

मेरी हर फिल्म की अफवाह चल रही है, ऐसा कुछ होगा तो मैं खुद अनाउंस करूंगा

गदर-2 की सफलता के बाद सनी देओल हिन्दी सिनेमा के सफलतम सितारों की सूची में शामिल हो गए हैं। मीडिया व सोशल मीडिया पर सनी देओल की कई ऐसी फिल्मों के दूसरे भाग की खबरें चल रही हैं जो वास्तविकता से दूर हैं। हाल ही में अपनी आने वाली फिल्मों के नामों में बॉर्डर-2, गदर-3, इंडियन-2 जैसे नाम सुनकर सनी देओल ने नाराजगी जाहिर की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनसे इन सरी फिल्मों के अगले पार्ट के बारे में सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा, जब से 'गदर 2' आई तबसे ऐसा हो रहा है कि ये पार्ट 2 कर रहा हूं वो पार्ट टू कर रहा हूं। अरे कितने पार्ट टू कर रहा हूं? हर चीज की अफवाह चल रही है। लोगों को अटकले लगाना अच्छा लगता है, ऐसा कुछ होगा तो मैं खुद अनाउंस करूंगा। आपको बता दें कि सनी इन फिल्मों के अगले पार्ट में नहीं, लेकिन फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आने वाले हैं। ये राजकुमार संतोषी की फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान करने वाले हैं। इस फिल्म का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि इस फिल्म को लेकर 15-17 साल से काम चल रहा है, लेकिन कुछ हो नहीं पाया था। 'गदर 2' की सफलता के बाद इस फिल्म को बनाने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा सनी देओल फिल्म 'सफर' में भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की शूटिंग के एक सीन को लेकर सनी खूब चर्चा में रहे थे। सीन की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सनी शराब के नशे में धुत सड़क पर लड़खड़ाते हुए नजर आ रहे थे।

तैमूर को मिल रहे मीडिया अटेंशन से परेशान हैं सैफ अली खान!

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और करीना कपूर बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल में से एक हैं। फैंस उनके निजी जीवन और उनके दोनों बच्चों तैमूर और जेह के बारे में जानने के लिए बेताब रहते हैं। खासतौर पर उनके बड़े बेटे तैमुर के बारे में जानने के लिए फैंस अक्सर उत्सुक दिखाई देते हैं। तैमूर के जन्म के बाद से ही वह हमेशा लाइमलाइट में रहे हैं। यहां तक की फैंस तभी से उनके बॉलीवुड डेब्यू के बारे में भी बात करने लगे थे। सैफ ने हाल ही में स्टार किड्स के विषय में बात करते हुए कहा कि दर्शक ही स्टार किड्स बनाते हैं। सैफ अली खान ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, लोगों को स्टार किड्स में बहुत दिलचस्पी रहती है। उनकी लगातार तस्वीरें खींची जा रही हैं, लगातार उनका पीछा किया जा रहा है। मेरा मतलब है कि कल कोई उनमें से कोई फिल्म बनाना चाहेगा, तो यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इसलिए, आपको यह तय करना होगा कि यह ध्यान क्यों और कहां से आता है।

मीडिया और दर्शक बनाते हैं स्टार किड

अभिनेता ने आगे कहा, तैमूर ताइक्वांडो खेल रहा था। तभी लोग उसकी तस्वीरें खींच रहे थे और रील बना रहे थे। हम उस तरह का अटेंशन नहीं चाहते हैं। सैफ ने कहा, इसलिए हम स्टार किड नहीं बनाते, स्टार किड बनाया जाता है। स्टार किड्स को जो बनाते हैं वह मीडिया और फिर फोटोग्राफर और फिर दर्शक हैं, जो शायद सिर्फ एक स्टार किड को देखना चाहते हैं।

देवरा की शूटिंग में बिजी हैं सैफ

सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर के साथ अपनी आगामी तेलुगु फिल्म देवरा की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म में सैफ अली खान विलेन के किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा वह सिद्धार्थ आनंद की एक्शन फिल्म में भी दिखाई देंगे, जिसमें वह बचाव अभियान चलाने के लिए समय यात्रा करेंगे।

मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा दौर शादी के बाद शुरू हुआ

बीते सालों में शाहिद कपूर अदाकार ही नहीं बल्कि एक फैमिली मैन के रूप में भी संवरते-निखरते चले गए हैं। पिछले दिनों वेब सीरीज फर्जी में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया से।

दर्शक आपकी फिल्मों में आपके ग्रे और इंटेंस किरदारों को ज्यादा पसंद करते हैं, आप किस तरह की भूमिकाएं इंजॉय करते हैं?

मुझे लगता है एक्टर हमेशा से पावर ऑडियंस को देता है, मगर कहीं न कहीं पावर एक्टर के पास होती है। कई बार अदाकार ये भूल जाता है। अब अगर लोग मेरी इंटेंस या ग्रे भूमिकाओं को ज्यादा पसंद करते हैं तो इसका मतलब मैंने उन्हें वो उतनी शिद्दत से दिया है, इसलिए उन्हें याद है। अब जब तक मैं उन्हें उससे कुछ और ज्यादा दमदार नहीं दूंगा, तब तक वो उसी को प्यार करेंगे। मेरी कोशिश तो यही है कि मैं खुद को दोबारा खोजूं। मुझे इस पर अधिक समय नहीं जाया करना चाहिए कि आपको क्या पसंद आए। ये तो आप पर निर्भर करेगा। मुझे तो काम करते रहना होगा।

परिवार की बात करूं, तो शाहिद आपके लिए परिवार कितनी अहमियत रखता है?

परिवार मेरे लिए सब कुछ है। मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फेज मेरी शादी के बाद शुरू हुआ। पहले आपके जीवन में माता-पिता होते हैं और फिर आप बड़े हो जाते हो, तो काम पर जाने लगते हो, मगर शादी के बाद आपका परिवार, पत्नी बच्चे आपको जमीन से जोड़े रखते हैं। वही लोग हैं, जो आपको नॉर्मल और सेटल महसूस करवाते हैं। मैं स्टार्स की बात नहीं कर रहा, मुझे लगता है, आज आम आदमी भी नॉर्मल होना भूल रहा है। हम इंस्टाग्राम पर जी रहे हैं। मैं समझता हूं कि आपकी जिंदगी की नॉर्मलसी की एक खुशबू होती है। मुझे लगता है मेरे लिए मेरा परिवार ही सब कुछ है और मैं उसके लिए कुछ भी कर सकता हूं।

स्टार होने के नाते दिन-रात कैमरों, पैपराजी और लोगों द्वारा पीछा किया जाना कैसा लगता है? गेट के बाहर कई कैमरे की आंखें अभी भी आपके इंतजार में हैं।

सच कहूं, तो ये बहुत पेचीदा मामला है। जब एक एक्टर काम करता है, तो उसमें तीन-चार सौ यूनिट मेंबर भी शामिल होते हैं। जैसे मैं अपनी मेहनत की कमाई कर रहा हूं, वो भी अपनी मेहनत की कमाई कर रहे हैं। कई बार ये पीछा किया जाना ज्यादा हो जाता है, मगर अंततः वो भी अपना काम ही कर रहे हैं। ये ऐसा वाला रिश्ता है कि वो दो लोग ही मैनेज कर सकते हैं। उसे कितना अंदर आना है और मुझे उसे कहां तक रोकना है, वो रिश्ता अपोजिट साइड का है। उनकी जगह वो गलत नहीं हैं, मेरी जगह मैं गलत नहीं हूं, तो हमें हाथ मिलाना सीखना होगा। जब आप एक एक्टर को ज्यादा पुश करोगे, तो वो आपको शट डाउन कर देगा और आप एक एक्टर होने के नाते खुद को ज्यादा सरक्षित रखोगे, तो वो दूर हो जाएंगे। इसमें आपको संतुलन बनाए रखना होगा।

फिल्म में कृति सेनन के साथ आपकी जोड़ी को फ्रेश कह कर काफी पसंद किया जा रहा है। कृति के साथ आपका काम करने का अनुभव कैसा रहा?

कृति बहुत अच्छी अभिनेत्री हैं और वे दिन ब दिन संवरती जा रही हैं। उनकी ग्रोथ नजर आ रही है, तो मन तो था कि उनके साथ काम करने का मौका मिले और मिल भी गया। मुझे लगता है, इंडस्ट्री में हीरो तो काफी हैं, मगर हीरोइनों की कमी है, तो जब आप पहली बार किसी हीरोइन के साथ काम करते हैं, तो लगता है, वो जोड़ी अच्छी लगनी चाहिए ताकि आगे काम साथ में किया जा जा सके।

आपकी ताजातरीन फिल्म में आप रोबोट बनी कृति से प्यार करने लग जाते हैं। क्या आप असल जिंदगी में किसी रोबोट के प्यार में पड़ना चाहेंगे?

हमारी फिल्म इसी मुद्दे पर है। रोबोट को तो एक तरह से हमने एक फिजिकल एनटीटी का नाम दिया है, मगर दिन भर में आप अपने जिस फोन के साथ पांच घंटे बिताते हैं, वो इंसान तो नहीं है न? उसके साथ आपकी रिलेशनशिप तो हो ही गई है। चीजें बहुत तेजी से बदल रही हैं और हम 15 साल में कहां होंगे, किसी को पता नहीं। ये फिल्म इसी मुद्दे को दर्शाती है कि अगर ऐसा होगा, तो आप क्या करोगे? जिंदगी ऐसी बनती जा रही है की आपको हर चीज कस्टमाइज चाहिए। इसकी हमें आदत पड़ती जा रही है। आज के दौर में लोगों को प्यार में पड़ना और निभाना मुश्किल लगता जा रहा है, तो यदि दो लोग एक-दूसरे के साथ नहीं हो सकते, तो भविष्य में क्या होगा?

लोक कल्याणकारी और लोकमंगल का बजट है : योगी आदित्यनाथ

डबल इंजन सरकार ने 6 वर्ष में 6 करोड़ लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि सरकार ने अपना 8वां बजट ऐसे समय में प्रस्तुत किया है, जब अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दिव्य, भव्य और नव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम धूमधाम के साथ सम्पन्न हो चुका है। श्री रामलला वहां विराजमान हो चुके हैं। प्रभु श्रीराम लोक मंगल के प्रतीक हैं। लोकमंगल का यह बजट प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित है। अमृत काल के इस पहले बजट में रामराज्य की अवधारणा को साकार करने का प्रयास हुआ है। वर्ष 2017 में हमने अपना पहला बजट मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को साक्षी मानकर प्रस्तुत किया था।

मुख्यमंत्री यहां विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी के राज्य उत्तर प्रदेश के वर्ष 2024-25 के बजट पर पिछले तीन दिनों से सदस्यों द्वारा अनेक रचनात्मक सुझाव दिए गए हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के 93 सदस्यों ने बजट पर चर्चा में भाग लिया और बजट को रचनात्मक बनाया। उत्तर प्रदेश विधानसभा में इतनी गंभीर चर्चा हो सकती है और देर रात्रि तक सदन चल सकता है, यह देश और दुनिया देख रही है। मुख्यमंत्री ने बजट पर चर्चा में भाग लेने वाले सभी 93 सदस्यों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में आर्थिक विकास की गति को तीव्र करने तथा प्रदेश को समृद्धि की एक नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी और लोकमंगल की भावना से एक बेहतर रोड मैप के साथ बजट को सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया गया है। बजट में प्रदेश को अन्त्योदय से एक विकसित अर्थव्यवस्था तक, इंफ्रास्ट्रक्चर से ईज ऑफ लिविंग तक, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से इन्वेस्टमेण्ट के ड्रीम डेस्टिनेशन तक, कृषि और किसान से लेकर गरीब कल्याण तक तथा आस्था से लेकर अर्थव्यवस्था तक ले जाने का बेहतर रोड मैप है। बजट में, शिक्षा और स्वास्थ्य से स्वावलंबन की ओर, संस्कृति से संवर्धन की ओर और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को समावेशित करने का संकल्प भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार उत्तर प्रदेश का यह बजट देश के किसी भी राज्य के बजट की तुलना में सबसे बड़ा है। 07 लाख 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक का यह बजट एक ऐतिहासिक वर्ष का ऐतिहासिक बजट है। वर्ष 2012-13 की तुलना में यह तीन गुना से अधिक है। वर्ष 2016-17 की तुलना में यह दोगुना है। गत वर्ष की तुलना में इस बजट में लगभग 07 फीसदी की वृद्धि की गई है। बजट का आकार केवल व्यय की दृष्टि से ही बड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश की 25 करोड़ जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप लोककल्याण, समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के विकास के लिए, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य और टेक्नोलॉजी को मजबूत करने के लिए प्रस्तुत किया गया है। यह आमजन के जीवन स्तर को उठाने और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में प्रति व्यक्ति आय को राष्ट्रीय औसत के बराबर ले जाने के संकल्प का बजट भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उत्तर प्रदेश को बीमारू है। कुष्ठ रोगियों के लिए राज्य सरकार 03 वर्ष पहले से ही हर कुष्ठ रोगी को 3000 रुपये की मासिक पेंशन के साथ आवास की सुविधा दे रही है। प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए भी एक कोष की स्थापना की है।

राज्य की श्रेणी से उबारा है। आज उत्तर प्रदेश एक रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। यह विगत 07 वर्षों में बिना कोई अतिरिक्त टैक्स लगाए हुआ है। इस दौरान मंडी शुल्क को आधा किया गया, प्रदेश में डीजल-पेट्रोल की दर देश में सबसे कम है। डीजल-पेट्रोल पर वैट को कम किया गया है। इसके पीछे रामराज्य की अवधारणा है। प्रभु श्रीराम भरत जी से कहते हैं-'बरसत हरसत लोग सब करसत लखै न कोइ। तुलसी प्रजा सुभाग ते भूप भानु सो हो।' अर्थात जिस प्रकार सूर्य समुद्र, नदी और तालाब से पानी लेता है, लेकिन किसी को पता नहीं चलता। परंतु जब वह बादल के रूप में वर्षा करता है, तो सबको पता चलता है। सभी जगह समान रूप से बरसता है। यही स्थिति बजट की भी है। यह लोक कल्याणकारी और लोकमंगल का बजट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अन्य सभी कार्यक्रमों के लिए क्रिटिकल गैप योजना के अंतर्गत धनराशि की व्यवस्था की गई है। 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' की राशि पहले से ही 15000 रुपये से 25000 रुपये की गई है। बालिकाओं की शादी के लिए 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के लिए धनराशि का प्राविधान किया गया

प्रदेश में अन्य विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए पुलिस की अवस्थापना सुविधाओं के विकास जैसे नए थानों, साइबर थानों व फायर ब्रिगेड के नए सेण्टरों की स्थापना, होमगार्ड्स स्वयंसेवकों के लिए अनुग्रह राशि की व्यवस्था सहित समय-समय पर प्राप्त अन्य प्रस्तावों के लिए इस बजट में प्राविधान किया है। प्रदेश सरकार ने इस बजट के माध्यम से राज्य के हर वर्ग के जीवन में बेहतर परिवर्तन लाने का प्रयास किया है।

देश को 05 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के प्रधानमंत्री जी के संकल्प के साथ प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ जडी हुई है। उत्तर प्रदेश 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। इसके लिए एक बेहतर रोड मैप तैयार किया है। राज्य सरकार 05 टी-टैलेंट, ट्रेडीशन, ट्रेड, टूरिज्म एंड टेक्नोलॉजी के मंत्र के साथ आगे ब? रही है। हाई-वे के साथ-साथ डिजिटल ढांचा आई-वे पर भी कार्य हो रहा है। ब्रॉडबैंड ऑप्टिकल फाइबर का मजबूत ढांचा प्रदेश की हर ग्राम पंचायत तक विकसित किया जा रहा है। पंचायत भवनों एवं ग्राम सचिवालय की स्थापना के पीछे का हेतु यही है कि ऑप्टिकल फाइबर के साथ हम वहां पर बेहतर कनेक्टिविटी दे सकें। गांव में ही गांव के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के असीमित पोटेंशियल तथा राज्य के स्किल के स्केल व स्पीड पर सरकार फोकस कर रही है। उत्तर प्रदेश प्रकृति और परमात्मा की असीम कृपा का प्रदेश है। हमारे पास सर्वश्रेष्ठ युवा हैं। भारत का सबसे ब?ा उपभोक्ता और श्रम बाजार प्रदेश में है। देश की कुल कृषि भूमि का मात्र 11 प्रतिशत प्रदेश में है, लेकिन अपने अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ और उर्वर भूमि से उत्तर प्रदेश, देश के खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत का योगदान करता है। प्रदेश की 56 प्रतिशत आबादी कामकाजी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में स?क सहित सभी कनेक्टिविटी को बेहतर किया गया है। ईस्टर्न एण्ड वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, वन्दे भारत, अमृत भारत ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही, प्रदेश में बेहतर वायु कनेक्टिविटी है। उत्तर प्रदेश लैण्ड लॉक्ड स्टेट की छवि से मुक्त हुआ है। देश के पहले इनलैण्ड वॉटर-वे की शुरुआत प्रदेश में हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में इनलैण्ड वॉटर-वे अथॉरिटी का गठन भी किया जा चुका है। सरकार का प्रयास है कि पूर्वी बन्दरगाह से जो?कर अयोध्या की कनेक्टिविटी को बेहतर किया जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के पोटेंशियल के अनुरूप हमने सेक्टरवार अल्पकालिक व दीर्घकालिक रणनीति अपनायी है। सस्टेनेबल डेवलपमेण्ट गोल्स के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश सरकार पूरी तरह संकल्पित है। प्रदेश के हर जनपद की अपनी जी0डी0पी0 होगी, इसके लिए सरकार ने तैयारी के साथ कार्य प्रारम्भ किया है। सेक्टोरल व क्रॉस सेक्टोरल बेस्ट प्रैक्टिसे? को सरकार ने आगे ब?ाया है। नीति आयोग की तर्ज पर स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमिशन के गठन की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने पिछले 06 वर्ष में प्रदेश के 06 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है। पहले केवल डेढ़ करोड़ लोग अनुपूरक आहार प्राप्त कर पाते थे। आज 02 करोड़ 06 लाख से अधिक लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वर्ष 2020 में शिशु मृत्यु दर 38 प्रति हजार हो चुकी है। मातृ मृत्यु दर वर्ष 2022-23 में 167 प्रति लाख हो गई है। स्कूली शिक्षा में विगत 07 वर्षों में किए गए प्रयासों का परिणाम है कि 40 लाख बच्चे प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में बढ़े हैं। आज एक करोड़ 92 लाख बच्चे इन स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वर्ष में दो बार नि:शुल्क रसोई गैस के सिलेंडर रिफिल उपलब्ध करवा रही है। हर घर नल योजना के माध्यम से 01 करो? 95 लाख घरों को जोड़ा जा चुका है। 01 करो? 58 लाख परिवारों को नि:शुल्क बिजली दी जा चुकी है। 1,21,000 मजरों में बिजली पहुंचाने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रदेश में 55 लाख 83 हजार आवास उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश के गांवों में जहां पर जिसकी झोपड़ी होगी, वहीं पर उसका मालिकाना अधिकार दिलाने के लिए स्वामित्व योजना को प्रदेश में लागू किया गया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत उत्तर प्रदेश 09 करोड़ खाते खोलकर देश में प्रथम स्थान है। इसमें से आधे से अधिक खाते प्रदेश की महिलाओं के हैं। पहले की सरकारों ने अपने कार्यकाल में एक फेल्योर स्टेट बनाया था। हमने एक सिक्योर स्टेट बनाया है। उन्होंने मिलियन लूटे थे और हम प्रदेश को 01 ट्रिलियन देंगे।

मुख्यमंत्री जी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी0वी0 नरसिम्हा राव, श्रद्धेय श्री लालकृष्ण आडवाणी, श्रद्धेय श्री कर्पूरी ठाकुर, प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ0 एम0एस0 स्वामीनाथन तथा को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के फैसले का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी का सम्बन्ध उत्तर प्रदेश से था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने करोड़ों किसानों की आवाज को बुलंदी दी। चौधरी साहब का सम्मान देश के कोटि-कोटि अन्नदाता किसानों का सम्मान है। यह निर्णय चौधरी साहब की स्मृतियों को एक नमन और विनम्र श्रद्धांजलि है।

16 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने की सीटू की अपील

नोएडा (चेतना मंच)। मजदूरों- किसानों के कई ज्वलंत/मुद्दों मांगों को लेकर 16 फरवरी 2024 को होने वाली हड़ताल को सफल बनाने के लिए ट्रेड यूनियनों ने संयुक्त रूप से अभियान तेज कर दिया है।

इसी क्रम में सीटू के बुलावे पर दिल्ली जन नाट्य मंच के कलाकारों ने बरौला सेक्टर- 49, नोएडा बड़े पार्क में नुक्कड़ नाटक का शो किया।

नाटक के माध्यम से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, ठेकेदारी व घटते वेतन के कारण मजदूरों के हो रहे उत्पीड़न को दर्शाते हुए मेहनतकश आवाम से 16 फरवरी 2024 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने की अपील किया।

किसानों व मज़दूरों के सच्चे हितैषी थे राजेश पायलट

नोएडा (चेतना मंच)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता स्व. राजेश पायलट की जयंती के अवसर पर नोएडा महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में बिशनपुरा स्थित नोएडा महानगर कांग्रेस कार्यालय पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी जयंती मनायी।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा कि वे इंडियन एयरफोर्स के एक जांबाज पायलट थे। 1971 के भारत-पाक युद्ध में उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देकर पाकिस्तानी सेना के दाँत खट्टे कर दिए।1980 में जनसेवा को लक्ष्य बनाकर उन्होंने राजनीति में कदम रखा तथा अपना पूरा जीवन जनकल्याण में समर्पित कर दिया। गाँव, गरीब, मजदूर, किसान, ग्रामीण उनके विचारों के केंद्र में थे। 1980 में पहली बार भरतपुर से सांसद बने तथा 1984, 1991, 1996, 1998 और 1999 में दौसा से संसद पहुंचे।

स्व.श्री राजेश पायलट ने विभिन्न महत्वपूर्ण मंत्रालयों में केंद्रीय मंत्री के पद पर रहकर देश के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया। भूतपूर्व सैनिक एवं किसान होने के नाते देश एवं प्रदेश के लिए उनका समर्पण भाव हमारे लिए प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी, महानगर उपाध्यक्ष हरेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष रामकुमार शर्मा,महासचिव आरके प्रथम, महासचिव जितेन्द्र चौधरी, पीसीसी सदस्य सोनू खारी,शाहिद सिद्दीक़ी, देवेन्द्र कश्यप, मुकुल शर्मा, दिनेश यादव, अनिल गुर्जर, हर्षवर्धन, राजकुमार शर्मा,अज़ीम सिद्दीक़ी, युगल किशोर,धर्मेन्द्र गुर्जर आदि कांग्रेस जन शामिल रहे।